कंचन उजाला

हिन्दी दैनिक

RNI No : UPHIN/2019/79194

कंचन उजाला

सेबी के अधिकारियों तक जांच की आंच

लखनऊ से प्रकाशित | सच्चाई के साथ | WWW.Kanchanujala.in | kanchanujalalko@gmail.com

वर्षः 02 अंक : 98 | लखनऊ, बुधवार, 24 मार्च, 2021 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमला

पुलिस जवानों की बस को ब्लास्ट से उड़ाया, 4 जवान शहीद, 14 घायल

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में मंगलवार को नक्सलियों ने डीआरजी जवानों से भरी बस में ब्लास्ट कर दिया। इस हमले में 4 जवान शहीद हो गए हैं, जबकि 8 घायल बताए जा रहे हैं। ब्लास्ट के दौरान बस में 24 जवान सवार थे। सूचना मिलते ही बैकअप फोर्स को मौके पर रवाना कर दिया गया है। सभी जवान एक ऑपरेशन में शामिल होने के बाद लौट रहे थे। छत्तीसगढ़ के डीजीप डीएम अवस्थी ने घटना की पुष्टि की है। बस्तर के आईजी पी.सुंदरराज ने बताया कि नारायणपुर में नक्सल विरोधी अभियान के बाद डीआरजी फोर्स वापस लौट रही

थी। उसी दौरान एक आईईडी ब्लास्ट में बस के ड्राइवर समेत 4 जवान शहीद हो गए। इस घटना में 02 जवान गंभीर रूप से घायल हुए हैं और 12 जवानों को सामान्य चोट लगने की जानकारी मिली है। घायल जवानों को वायुसेना के हेलीकॉप्टर से रायपुर भेजा जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, जिले के कड़ेनार इलाके में धौड़ाई और पल्लेनार के बीच घना जंगल है। नक्सलियों ने यहीं पर घात लगाकर बस को निशाना बनाकर ढ्ढश्रष्ठ ब्लास्ट किया है। बताया जा रहा है कि यह जवान मंदोड़ा जा रहा थे। यह आशंका जरूर जताई जा रही है कि शहीद जवानों की संख्या बढ़ सकती है। फिलहाल जवानों को रेस्क्यू करने का ऑपरेशन जारी है। घटनास्थल पर अतिरिक्त रिइन्फोर्समेंट पार्टी भेजी गई है। नक्सलियों ने 17 मार्च को शांति वार्ता का प्रस्ताव सरकार के सामने रखा था। नक्सलियों ने विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि वे जनता की भलाई के लिए छत्तीसगढ़ सरकार से बातचीत के लिए तैयार हैं। उन्होंने बातचीत के लिए तीन शर्तें भी रखीं थीं। इनमें सशस्त्र बलों को हटाने, माओवादी संगठनों पर लगे प्रतिबंध हटाने और जेल में बंद उनके नेताओं की बिना शर्त रिहाई शामिल थीं।

बस और ऑटो की टक्कर में 13 लोगों की मौत

ग्वालियर, एजेंसी। मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले के पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में आज सुबह बस और ऑटो के बीच हुयी जबर्दस्त टक्कर में ऑटो सवार 13 लोगों की मौत हो गयी। मृतकों में 12 महिलाएं और एक पुरुष शामिल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार मुरैना की ओर जा रहे आटो की टक्कर सुबह सामने से आ रही एक बस से हो गयी। इस हादसे में आटो चालक और नौ महिलाओं की घटना स्थल पर मौत हो गयी, जबकि तीन महिलाओं को गंभीर हालत में समीप के अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि आटो में आंगनबाड़ी सेविका सवार थीं, जो अपना काम करने के लिए जा रहीं थीं। घटना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और ऑटो में फंसे शवों को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजवा दिया। मृतकों की शिनाख्त की जा रही है।

भाजपा का मिशन बंगाल: गृह मंत्री शाह बोले

मोदी ने गरीबों के लिए 115 स्कीम बनाई,पर यहां दीदी ने उन्हें लूटने के लिए 115 स्कैम बनाए

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के गोसाबा में रैली को संबोधित किया। शाह ने अपने भाषण की शुरुआत में शहीद दिवस के मौके पर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के विकास के लिए 115 स्कीम बनाई, लेकिन यहां ममता दीदी ने गरीबों को लूटने के लिए 115 स्कैम बनाए हैं। उन्होंने कहा कि ममता दीदी भतीजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लगी हुई हैं। जबकि मोदी जी आपका विकास करने के लिए दिन रात लगे हुए हैं। गरीबों के हक का पैसा कट मनी वाले ले जाते हैं। इसे बंद करने का काम भाजपा की सरकार करेगी। उन्होंने कहार कि बंगाल में भाजपा की सरकार आई, तो सीएए

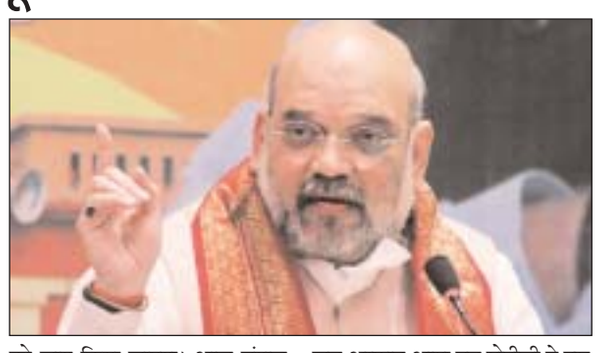

को लागू किया जाएगा। आज बंगाल की भूमि भ्रष्टाचार, तोलाबाजी का अड्डा बन गई है। हमारी सरकार बनने के बाद दो साल में इस इलाके में नल से पीने के पानी लाने की सुविधा कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुंदरवन विकास बोर्ड की स्थापना करेगी और यहां के विकास को आगे बढ़ाएगी। जब अम्फान आया तब मोदीजी ने दस हजार करोड़ रुपए भेजा, लेकिन उसे भतीजा एंड कंपनी खा गई। सुंदरवन में हमारी सरकार एक एम्स बनवाएगी, साथ ही टूरिस्ट स्पॉट को तैयार करेगी। शाह ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने 282 में से 82 वादे भी पूरे नहीं किए।

महाराष्ट्र में परमबीर सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

फडणवीस ने गृह सचिव को सौंपे सबूत

मुंबई, एजेंसी। मुंबई के पूर्व पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट कल सुनवाई करेगा। अपनी याचिका में परमबीर सिंह ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं और सीबीआई जांच की मांग की है। उन्होंने अपने तबादले के आदेश को भी याचिका में चुनौती दी है। वहीं महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली में मंगलवार को गृह सचिव से मुलाकात कर उन्हें सबूत सौंपते हुए प्रकरण पर कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने होमगार्ड विभाग में ट्रांसफर किए जाने को लेकर सुप्रीम कोर्ट में 22 मार्च को एक याचिका दायर की थी। इस याचिका में सभी आरोपों की जांच सीबीआई से कराने की मांग

के साथ ही उन्होंने अनिल देशमुख के घर के बाहर की सीसीटीवी फुटेज को जब्त कर उसकी जांच कराए जाने की भी मांग की है ताकि सच्चाई सभी के सामने आ सके। उद्योगपति मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के बाहर जिलेटिन की छड़ों से भरी स्कॉर्पियो मिलने के मामले में हटाए गए मुंबई पुलिस के आयुक्त परमबीर सिंह ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर गृह मंत्री अनिल देशमुख पर 100 करोड़ की वसूली कराने का आरोप लगाया था। अनिल देशमुख ने पहले इन दावों को गलत बताया और परमबीर सिंह पर मानहानि का दावा करने की बात कही। उनके आरोपों के बाद से महाराष्ट्र की राजनीति में बवाल मच गया है।

लोन मॉरेटोरियम की अवधि नही बढ़ेगीः सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि सरकार को आर्थिक फैसले लेने का अधिकार है और 31 अगस्त 2020 के बाद लोन मॉरेटोरियम की अवधि नही बढ़ाई जा सकती। न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति आर सुभाष रेड्डी और न्यायमूर्ति एम आर शाह की खंडपीठ ने कहा कि महामारी के चलते सरकार को भी भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। उसने कहा कि न्यायालय सरकार को नीतिगत पर निर्देश नहीं दे सकता। 31 अगस्त के बाद मोरेटोरियम की अवधि नहीं बढ़ाई जा सकती है। न्यायमूर्ति शाह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि लोन मोरेटोरियम को और नहीं बढ़ाया जा सकता और न ही इस दौरान ब्याज को पूरी तरह से माफ किया जा सकता। गौरतलब है कि सरकार ने बैंक कर्जदारों को मासिक भुगतान पर बड़ी राहत दी थी। दरअसल, पिछले साल रिजर्व बैंक ने एक मार्च से 31 मई तक मोरेटोरियम देने की बात कही थी, जिसे 31 अगस्त तक भी बढ़ाया गया था।

रविशंकर प्रसाद बोले- महाराष्ट्र में जो हो रहा वो विकास नहीं वसूली

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को एक प्रेस वार्ता में कहा कि महाराष्ट्र में जो हो रहा वो विकास नहीं वसूली है। उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में ये पहली बार हुआ कि किसी पुलिस कमिश्नर ने लिखा कि राज्य के गृह मंत्री जी ने मुंबई से 100 करोड़ रुपये महीना वसूली का टार्गेट तय किया है। जब एक मंत्री का टार्गेट 100 करोड़ रुपये है तो बाकी के मंत्रियों का कितना होगा? पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी ने कुछ दस्तावेजों के साथ कहा है कि ट्रांसफर और पोस्टिंग के नाम पर भी वसूली चल रही थी। वो भी छोटे मोटे ऑफिसर्स की ही नहीं बल्कि बड़े बड़े आईपीएस ऑफिसर्स की भी। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र जैसे राज्य में बड़े अधिकारियों की पोस्टिंग में वसूली हो रही है, तो हमें लगा मुख्यमंत्री कार्रवाई करेंगे। लेकिन दोषियों के खिलाफ

कार्रवाई के बजाय, एक ईमानदारी महिला अधिकारी को सिविल डिफेंस का डीजीपी बना दिया। उन्होंने कहा कि सचिन वाजे सस्पेंडेड था, करीब 15-16 वर्षों तक, वो शिवसेना का सदस्य बनता है। उसे कोरोना काल में रीइंस्टेट करते हैं। उसके बाद उन्हें ही 100 करोड़ वसूली का टार्गेट दिया जाता है। एक उद्योगपति के घर के सामने जो गाड़ी मिली है, उसकी एनआईए जांच कर रही है, उस गाड़ी का तथाकथित मालिक मृत पाया जाता है, तो उसकी जांच को क्यों रोका जा रहा है? उन्होंने कहा कि मैं शरद पवार जी से कहना चाहूंगा कि आप कृपया देश को बताएं कि गलत तथ्यों के आधार पर आपको महाराष्ट्र के गृहमंत्री को क्यों डिफेंड करना पड़ा?

चार करोड़ 85 लाख लोगों को लगायी जा चुकी है कोरोना वैक्सीनः हर्षवर्धन

नयी दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हर्ष वर्धन ने मंगलवार को राज्य सभा में बताया कि देश में कोरोना वैक्सीन लगाने की गति धीमी नहीं है और आज सुबह तक चार करोड़ 85 लाख लोगों को यह टीका लगाया जा चुका है। श्री हर्ष वर्धन ने प्रश्न काल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में बताया कि कोरोना वैक्सीन लगाने की गति मंद नहीं है। सुबह तक चार करोड़ 85 लाख लोगों को कोरोना वैक्सीन लगायी जा चुकी है और इनमें दो करोड़ से ज्यादा लोग 60 साल से अधिक उम्र के हैं। उन्होंने बताया कि कोरोना वैक्सीन लगवाने में लोगों को हो रहे संकोच को दूर करने के लिए अनेक प्रयास किये गये हैं जिनके बेहतर परिणाम भी सामने आ रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि कोरोना वैक्सीन की कमी कहीं नहीं है, प्रत्येक राज्य को पर्याप्त वैक्सीन उपलब्ध करायी जा रही है।

सचिन वाजे ने अपने ऊपर लगे आरोपों को नकारा, महाराष्ट्र एटीएस ने दी जानकारी

मुंबई, एजेंसी। एंटीलिया और मनसुख हिरेन मौत मामले में महाराष्ट्र एटीएस जयजीत ने मंगलवार को मीडिया को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सचिन वाजे ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को नकार दिया है। एटीएस जयजीत ने बताया कि वाजे नकली सिम कार्ड का प्रयोग करते थे जिसे उन्होंने बुकी नरेश से लिया था।

जयजीत ने बताया कि इस केस से संबंधित कई सीसीटीवी फुटेज नष्ट कर दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि दमन से मंगलवार को एक कार जब्त की गई जिसे एफएसएल द्वारा जांच की जा रही है। एंटीलिया मामले की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी को क्राइम इंवेस्टिगेशन यूनिट (सीआईयू) के कार्यालय से एक डायरी मिली है, जो कई बड़े राज खोल सकती है। इसमें कोड वर्ड में कुछ नाम लिखे हैं और उनके नाम के आगे पैसों की डिटेल लिखी हुई है। ऐसा माना जा रहा है कि ये कोडवर्ड में जो रकम लिखी है वो वसूली की ओर इशारा कर रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डायरी में इस बात का जिक्र है कि रेस्त्रां, पब और हुक्का बार से सचिन वाजे की टीम ने कितनी वसूली की है।

एनआईए के मुताबिक, सचिन वाजे ने जनवरी महीने से ये वसूली करनी शुरू की थी और इसी वसूली का जिक्र परमबीर सिंह ने अपनी चिट्ठी में किया है। इस डायरी में हर होटल और पब वालों के नाम के आगे रेटकार्ड लिखे हैं। इसके अलावा इस डायरी में मुंबई के लॉटरी कारोबारी और मटके धंधे की भी पूरी डिटेल है और इनके आगे भी रकम की जानकारी दी हुई है। जांच में यह सामने आया है कि सचिन वाजे खुद इन पैसों की वसूली नहीं करता था, बल्कि उसके नाम पर कुछ क्रिमिनल पैसों की उगाही करते थे और आगे बढ़ाते थे।

नौकरियों में भर्ती के लिए अफगानिस्तान के साथ विशेषज्ञता साझा करेगा भारत

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने सरकारी नौकरियों में भर्ती के क्षेत्र में अनुभव और विशेषज्ञता साझा करने के लिए अफगानिस्तान के साथ समझौते को आज मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को यहां हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) और अफगानिस्तान के स्वतंत्र प्रशासनिक सुधार और सिविल सेवा आयोग (आईएआरसीएससी) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर से संबंधित प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। इस समझौते से आईएआरसीएससी और यूपीएससी के बीच परस्पर संबंधों को मजबूती मिलेगी। यह उमीदवारों के चयन के क्षेत्र में दोनों पक्षों को अनुभव और विशेषज्ञता को साझा करने की सुविधा प्रदान करेगा। विशेष रूप से यूपीएससी और आईएआरसीएससी के कार्य के संबंध में अनुभव का आदान-प्रदान किया जा सकेगा।

बिहार विस में बवाल,आरजेडी विधायक घायल, स्ट्रेचर पर भेजे गए अस्पताल

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा में मंगलवार को हुए बवाल के दौरान कई विधायकों, पुलिसकर्मियों और पत्रकारों को चोटें आई हैं। इस दौरान राजद विधायक सतीश दास को गंभीर चोट आई है, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। वहीं सीपीआई के विधायक सत्येन्द्र यादव और राजद विधायक रीतलाल यादव के भी घायल होने की सूचना आ रही है। राजद विधायक सतीस दास ने आरोप लगाते हुए कहा कि उन्हें पुलिस ने बुरी तरह से पीटा है। घायल विधायक के लिए एंबुलेंस बुलाया गया और स्ट्रेचर पर लाद कर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बिहार के संसदीय इतिहास में मंगलवार का दिन अमंगल के रूप में आया। पक्ष-विपक्ष की जिद ने ऐसी स्थिति पैदा की कि बिहार एकबार फिर शर्मसार हुआ। सुबह से शाम तक

पुलिस बिल के खिलाफ सड़क से सदन तक संग्राम छिड़ा रहा। विपक्ष बिल को सदन में पेश होने से रोकने पर आमादा था। उसका तर्क था कि इससे आम आदमी का अधिकार छिन जाएगा। वहीं, सत्ता पक्ष का कहना था कि यह विशेष पुलिस बिल है। इसका सामान्य पुलिस से कोई सरोकार नहीं है। यह बिल मंगलवार को ही पेश होना था। इसके विरोध में सुबह 11 बजे विधानसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। सदन में न सिर्फ बिल की प्रति फाड़ी गई, बल्कि उप मुख्यमंत्री तार किशोर प्रसाद से इसकी प्रति छीनने की भी कोशिश की गई। हालांकि इसका सत्ता पर ने तीव्र प्रतिकार किया। वहीं, शाम को जब बिल पेश हुआ तो सदन के अंदर और विस अध्यक्ष के कार्यालय के बाहर धरना और नारेबाजी शुरू हो गई।

बंगाल में लेफ्ट से गठबंधन कर केरल में कांग्रेस ने बढ़ा ली मुश्किलें

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में वाम मोर्चे एवं कांग्रेस के बीच गठबंधन से फायदा होगा या नहीं, यह कहना मुश्किल है। लेकिन इससे केरल में दोनों की चुनौती बढ़ गई है। भाजपा ने केरल में वाम-कांग्रेस दोस्ती को बड़ा मुद्दा बनाया है तथा उन्हें एक ही सिक्के के दो पहलू करार दिया है। केरल में वाम मोर्चा के खिलाफ प्रमुख प्रतिद्वंदी कांग्रेस है। कांग्रेस वहां वाम सरकार की खामियों को जनता के सामने रखकर खुद को सत्ता के योग्य बता रही है। और वाम सरकार को नाकाम। लेकिन भाजपा ने इस मुद्दे को लपक लिया है। उसकी तरफ से जनता में यह संदेश देने की कोशिश की जा रही है कि दोनों दल बारी-बारी से सत्ता हासिल कर केरल की जनता को गुमराह कर रहे हैं। यदि वे केरल में एक दूसरे के प्रतिद्वंदी हैं तो फिर पश्चिम बंगाल में एक साथ क्यों चुनाव मैदान में हैं? केरल की राजनीति में जानकारी रखने वाले लोगों का मानना है कि भाजपा ने इस मुद्दे पर दोनों को कटघरे में खड़ा किया है। इसका थोड़ा नुकसान भी उन्हें उठाना पड़ सकता है। हालांकि अभी भाजपा वहां ज्यादा शक्तिशाली नहीं है, इसलिए ज्यादा असर नहीं होगा। लेकिन भविष्य में वाम-कांग्रेस को पश्चिम बंगाल में गठबंधन को लेकर अपनी रणनीति में नए सिरे से विचार करना होगा। उसमें केरल पर पड़ने वाले असर का आकलन करना होगा। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस-लेफ्ट गठबंधन के मुद्दे पर केरल कांग्रेस और माकपा की केरल ईकाई दोनों सहमत नहीं थे। खबर है कि उनकी तरफ से इस मुद्दे पर पहले ही अपनी चिंता जाहिर की जा चुकी है। माकपा के नेताओं का कहना है कि इससे उन्हें जनता को जवाब देना मुश्किल हो जाता है। जबकि वे यह भी जानते हैं कि बंगाल में गठबंधन करने के बावजूद कुछ खास हासिल नहीं होना है।

देश में कोरोना के 40,715 नये मामले, 199 लोगों की मौत

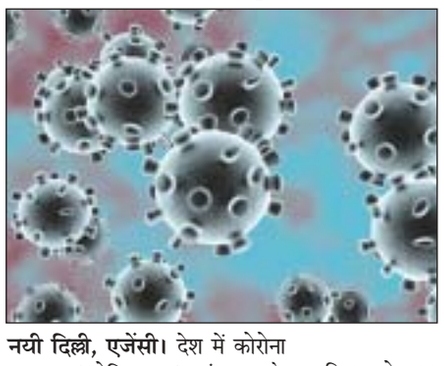

नयी दिल्ली, एजेंसी। देश में कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के मामलों के फिर तेजी से बढ़ने के बीच पिछले 24 घंटे के दौरान 40 हजार से अधिक नये मामले सामने आये हैं और 199 लोगों की मौत हुई है। पिछले 24 घंटे के दौरान कोरोना के 40,715 नये मामले दर्ज किये गये जबकि सोमवार को यह संख्या 46,951, रविवार को 43,846, शनिवार 40,953 और शुक्रवार को 39,726 दर्ज की गई थी। इस अवधि में कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या 199 दर्ज की गई है। सोमवार को यह संख्या 212, रविवार को 197, शनिवार को 188, शुक्रवार को 154, गुरुवार को 172, बुधवार को 188, मंगलवार को 131 दर्ज की गई थी। इस बीच देश में अब तक चार करोड़ 84 लाख 94 हजार से अधिक लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार सुबह जारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 40,715 नये मामले सामने आये हैं जिससे संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 16 लाख 86 हजार से अधिक हो गयी है। पिछले 24 घंटों में 29,785 मरीज स्वस्थ हुए हैं जिसे मिलाकर अब तक 1,11,81,253 मरीज कोरोनामुक्त भी हो चुके हैं। सक्रिय मामले 10,731 से बढ़ने से 3,45,377 हो गये हैं। इसी अवधि में 199 और मरीजों की मौत के साथ इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1,60,166 हो गयी है। देश में रिकवरी दर 95.67 और सक्रिय मामलों की दर 2.96 प्रतिशत हो गया है जबकि मृत्युदर अभी 1.37 फीसदी है। महाराष्ट्र कोरोना के सक्रिय मामलों में शीर्ष पर है और राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान सक्रिय मामले 5124 बढ़ने से इनकी संख्या बढ़कर 2,16,540 हो गयी है।

असम में दूसरे चरण में कुल 37 उम्मीदवार दागी, इनमें सबसे ज्यादा भाजपा के 11 प्रत्याशी

नई दिल्ली, एजेंसी। असम में 126 सीटों के लिए तीन चरणों में मतदान होना है। इसके लिए 27 मार्च, एक अप्रैल और छह अप्रैल की तारीख घोषित की गई है। दो मई को चुनावों के नतीजे घोषित किए जाएंगे। वहीं, इस बीच एडीआर ने असम के वर्तमान उम्मीदवारों का लेखा-जोखा जारी किया है। एडीआर की इस रिपोर्ट में दूसरे चरण में चुनाव लड़ने वाले सभी 345 उम्मीदवारों के शपथपत्रों का विश्लेषण किया गया है, जो 39 निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं। ऐसे में आइए इस रिपोर्ट में जानते हैं कि असम में कितने उम्मीदवार करोड़पति हैं और वे किस-किस राजनीतिक दल से ताल्लुक रखते हैं। साथ ही कितने उम्मीदवारों ने खुद के खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, 345 में से 37 (11 फीसदी) उम्मीदवारों ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। वहीं, नौ फीसदी यानी 30 उम्मीदवारों ने अपने ऊपर गंभीर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसके अलावा 73 उम्मीदवार (21 फीसदी) करोड़पति हैं। भाजपा के 34 में से 11 उम्मीद दागी है, कांग्रेस के 28 में से पांच, ढ्ढश्रष्ठ के सात में पांच, तक्कके छह में दो, असम जातीय परिषद के 19 में से तीन और बाकी में से एक-एक। बता दें कि असम विधानसभा चुनाव 2021 के दूसरे चरण में उम्मीदवारों की औसतन संपत्ति 2.19 करोड़ रुपये है। राज्य के सबसे रईस उम्मीदवारों की बात करें तो इस लिस्ट में कांग्रेस के राहुल रॉय सबसे आगे हैं। सिलचर जिले की उधरबोंड सीट से उम्मीदवार राहुल की कुल संपत्ति 131 करोड़ रुपये से ज्यादा है। इसमें चल संपत्ति 5.51,35,458 करोड़ और अचल संपत्ति 1,25,71,06,325 करोड़ रुपये बताई गई है। दूसरे नंबर पर हैलाकांडी जिले की अलगापुर सीट से कांग्रेस उम्मीदवार डेजी रॉय हैं। उनकी कुल संपत्ति 131 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

कोरोना की जांच, उपचार और टीकाकरण में तेजी लायें राज्यः गृह मंत्रालय

नयी दिल्ली, एजेंसी। केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने देश के कुछ हिस्सों में कोरोना महामारी के बढते मामलों के मद्देनजर राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से टेस्ट , ट्रैक और ट्रीट यानी कोरोना संक्रमण की जांच, रोगी के संपर्क में आने वाले लोगों का पता लगाने तथा रोगियों के उपचार की तीन स्तरीय नीति पर तेजी तथा पूरी सख्ती से काम करने को कहा है। मंत्रालय ने कोरोना महामारी के संक्रमण पर अंकुश लगाने के लिए मंगलवार को जारी दिशा निर्देशों में तीन स्तरीय नीति के साथ साथ कोरोना से संबंधित प्रोटोकोल को पूरी तरह लागू करने और टीकाकरण अभियान को तेज करने की भी बात कही है। इसके साथ ही विभिन्न गतिविधियों के लिए पहले से जारी मानक संचालन प्रक्रिया को भी सख्ती से लागू करने की केन्द्र और राज्य सरकारों को हिदायत दी गयी है। आरटीपीसीआर टेस्ट की संख्या बढाये

जाने पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया है। नये दिशा निर्देश एक अप्रैल से शुरू होंगे तथा 30 अप्रैल तक लागू रहेंगे। दिशा निर्देशों में इस बात पर जोर दिया गया है कि कोरोना के खिलाफ अभियान में अब तक देश ने जो कामयाबी हासिल की है उसे बरकरार रखने के लिए हर संभव प्रयास और उपाय किये जाने चाहिए। दिशा निर्देशों में कहा गया है कि कटेनमेंट जोन के बाहर सभी गतिविधियां पहले से ही खोली जा चुकी हैं और इसके लिए मानक संचालन प्रक्रिया भी लागू हैं लेकिन उन्हें पूरी तरह तथा सख्ती से लागू किये जाने की जरूरत है। राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों से आरटीपीसीआर की जांच को 70 प्रतिशत तक पहुंचाने को कहा गया है। संक्रमित लोगों का पता चलने पर उन्हें अलग करने तथा संपर्कों का पता लगाने तथा रोगियों का उपचार करने पर भी जोर दिया गया है।

जानकर भी अंजान बना बैठा विद्युत विभाग

जमीन से 3 फुट ऊपर लटक रही बिजली की तार, विद्युत विभाग को घटना का इंतजार

बल्लियों में झूलते बिद्युत लाइन

विजयीपुर-फतेहपुर। जनपद में पिछले दिनों विद्युत विभाग की लापरवाही से न जाने कितनी जाने चली गई और न जाने कितनी की संपत्ति जलकर स्वाहा हो गई और न जाने कितने किसानों की फसल जलकर खाक हो गई बावजूद इसके विद्युत विभाग अपने लापरवाही को सुधारने के बजाय खर्राटे भरी नींद में सो रहा है। मामला क्षेत्र के किशनपुर पावर हाउस के अंतर्गत मडौली गांव का है जहां पर विद्युत विभाग की लापरवाही ने सबको हैरान कर दिया है और विद्युत विभाग के इस रवैया से ग्रामीणों में काफी रोष है पर विद्युत विभाग अभी भी कुंभकर्णी पर सो रहा है ज्ञात हो कि पिछले एक साल पूर्व मडौली गांव में विद्युत विभाग द्वारा एलटी लाइन लगवाई गई थी जिसके बाद करीब दो माह बाद ही प्राथमिक विद्यालय के पास एलटी लाइन पर लगा बिजली का पोल टूटकर धराशाई हो गया था जिसके बाद ग्रामीणों ने उसे सुचारु रुप से चालू रखने के लिए बांस के सहारे तार को पर टांग दिया था तब से आज तक उस पोल की जगह पर बांस ही लगा नजर आ रहा है हालांकि करीब 6 माह पूर्व जब विद्युत विभाग का यह कारनामा अखबारों की सुर्खियां बना तो विद्युत विभाग को खुजली हुई और आनन-फानन में विद्युत विभाग द्वारा उस जगह पर बिजली का नया पोल डलवा दिया गया लेकिन विद्युत विभाग को उस पोल को गढ़वाने के लिए समय नहीं है जानकारी के मुताबिक पोल की जगह पर लगा हुआ बांस भी टूट गया है जिससे एलटी लाइन की तार जमीन से महज तीन फुट के ऊपर लटक रही है जिससे किसी भी दिन कोई बड़ा हादसा हो सकता है या फिर विद्युत विभाग द्वारा जान बूझकर किसी बड़ी घटना का इंतजार किया जा रहा है खैर कुछ भी हो पर विद्यालय परिसर के पास ऐसी लापरवाही किसी दिन किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकती है।

वही मामले को लेकर पिछले करीब 10 दिन पूर्व विद्युत विभाग के कर्मचारियों से जब बात की गई थी तो उन्होंने 2 दिन में उसे सही करवाने की बात कही थी लेकिन करीब 10 दिन बीत जाने के बाद भी विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने उस ओर नजर नहीं डाली है जिससे ग्रामीणों में काफी रोष है और ग्रामीण मामले की शिकायत मुख्यमंत्री से करने को तैयार हैं।

पानी के नाम पर बाजार में सेहत के साथ हो रहा खिलवाड

खखरेरू-फतेहपुर। कस्बा खखरेरू में शीतल जल बेचने वालों की होड सी लगी हुई है नए-नए नाम से कई ब्रांड बाजार में उतारने लगे हैं मिनरल वाटर के नाम से बिकने वाले इस सीलबंद पानी को लेने में उपभोक्ता अधिकतर धोखा खा रहे हैं नियम के अनुसार सीलबंद पानी एफएसएसएआई मार्का होने पर ही बेचा जा सकता है मार्का के अतिरिक्त किसी भी पैक में पानी नहीं बेचा जा सकता जबकि बाजार में बिना मार्का का पानी खूब बिक रहा है एफएसएसएआई मार्का को छोडिये कुछ अजीब नाम से बिक रहे पानी के पाउच जिसमें रजिस्ट्रेशन नंबर भी नहीं लिखा हुआ है कस्बा खखरेरू में तो मार्का डिब्बे में पानी सुबह और शाम गाड़ी में लादकर दुकान-दुकान पानी वितरण किया जा रहा है इसके डिब्बों में लगे लेवल में कोई रजिस्ट्रेशन नंबर नहीं छपा है इसकी जानकारी आम उपभोक्ताओं को कुछ ब्रांड नियमों से बचने के लिए हिंदी में बड़े-बड़े अक्षरों का उपयोग करके लोगों को भ्रमित कर रहे हैं जो कि स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ है।

भाजपा सरकार में महिलाओं का बढ़ा सम्मानः विजय लक्ष्मी

फतेहपुर। मलवां ब्लाक में योगी सरकार के चार वर्ष पूरे होने पर महिला सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश मंत्री महिला मोर्चा विजयलक्ष्मी साहू व विशिष्ट अतिथि के रूप में बिंदकी तहसील के नायाब तहसीलदार एवं वीडियो पंचायत, खंड शिक्षा अधिकारी अनीता शाह सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के चार साल बेमिसाल बताते हुए सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर बिशेष रूप से प्रकाश डाला गया। जिसमे महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाओं के बाबत जानकारी दी गयी। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए भाजपा नेत्री विजय लक्ष्मी साहू ने कहाकि जिस प्रकार से हमारी सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए बनाने के लिए लगातार योजना के द्वारा महिलाओं को आगे बढ़ा रही है। वर्तमान में समर्थ नारी योजना, मुखबिर योजना, मिशन शक्ति, सामूहिक विवाह योजना बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ योजना, एंटी रोमियो योजना इस प्रकार की तमाम योजनाएं हैं जिससे महिलाएं लगातार लाभ प्राप्त कर आत्मनिर्भर बन रही हैं। मोदी योगी सरकार महिलाओं को स्वावलंबी व उनके अधिकारों की पहचान कराने के लिए गांव-गांव जागरूकता कार्यक्रम चला रही है जिससे महिलाएं ज्यादा से ज्यादा लाभ प्राप्त कर सके यही कारण है पंचायत चुनावों में पार्टी द्वारा महिलाओ को अधिक वरीयता दी जायगी। उन्होंने कहाकि सरकार भी जानती है कि अगर आधी आबादी का हिस्सा हमारे गांव शहर की महिलाएं आगे बढ-चढ़कर हिस्सा लेंगे तो हमारे गांव का विकास हमारे जिले का विकास हमारे राज्य का विकास और फिर अपने देश का विकास अपने आप ही होगा जिस दिन घर की तिजोरी में रखी लक्ष्मी की हिफाजत की बजाए गर्भ में पल रही लक्ष्मी की रक्षा करने लगेंगे उस समय हमारा देश बहुत विकास करेगा। कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाए गए और बहुत सी महिलाओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को पोषक तत्वों से भरी सामग्री देकर के उसको माला पहना कर के उन्हें सम्मानित किया गया। इसी प्रकार छोटे बच्चों का अन्नप्राशन कार्यक्रम व आयुष्मान कार्ड वितरण का कार्यक्रम किया गया। बच्चे के जन्म के बाद से जन्नत का सामान जिसमें चटाई झूला तोलिया बच्चों के कपड़े की एक पूरी किट दे कर के सम्मानित किया गया। इस मौके पर साधना सिंह, मनोज, पूनम समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

अनियंत्रित ट्रेलर ने चार को कुचला, वृद्धा की मौत

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के बांदा-बहराइच राज्य मार्ग पर खटौली गांव में मंगलवार की सुबह अनियंत्रित ट्रेलर ट्रक ने शौचक्रिया से वापस लौट रही वृद्धा सहित नाला पर बैठे तीन लोगों को कुचल दिया। हादसा में वृद्धा की मौके पर मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल तीन लोगों को जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। वही घटना से आक्रोषित ग्रामीणो ने जेसीबी से रोड को खोदकर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुचे प्रशासन व पुलिस ने लोगो को समझा बुझाकर मुआवजा का आश्वासन दिया जिसके बाद जाम खुल सका। जानकारी के अनुसार सुबह करीब सात बजे खटौली गांव निवासी अमरजीत सिंह (53), मूलचंद्र (49), राजेश कुमार (45) पुरुपाथ के बाद बने नाला पर बैठे थे। इसी बीच गांव की रहने वाली शांती देवी (65) जंगल से शौचक्रिया के बाद वापस घर आ रही थी, तभी फतेहपुर की ओर आ रहे अनियंत्रित ट्रेलर ट्रक ने कुचला दिया। जिससे शांती देवी की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उक्त तीनों लोग घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसएचओ संदीप तिवारी ने बताया कि आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क को जेसीबी से खोदकर जाम लगा दिया था। जिसकी सूचना पर एसडीएम सदर प्रमोद झा, सीओ संजय कुमार शर्मा और गाजीपुर व जाफरगंज के प्रभारी निरीक्षक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुचे। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर उच्चाधिकारियों की मौजूदगी में गांव के दोनों किनारों पर जेसीबी से ब्रेकर बनवाने के लिए स्थान खुदवा दिया गया है। उन्होंने बताया कि एसडीएम ने मुआवजा और बनवाने का आश्वासन दिया है। यह भी बताया कि ट्रक पुलिस हिरासत में लेने के साथ ही चालक संजय को गिरफ्तार कर लिया गया है।

उत्साह पूर्वक सपाईयों ने डा0 लोहिया की मनायी 111वीं जयन्ती

डा0 लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण करते जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव

फतेहपुर। समाजवाद के महान पुरोधा एवं चिन्तक डा0 राम मनोहर लोहिया का 111वीं जयन्ती उत्साह पूर्वक सपाईयों ने मनाते हुए उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। साथ ही गोष्ठी के माध्यम से उनके जीवन पर प्रकाश डाल उनके दिखाये रास्ते पर चलने का संकल्प लिया। मंगलवार को सादीपुर स्थित पार्टी कार्यालय में जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव की अध्यक्षता में समाजवाद के चिन्तक डा0 राममनोहर लोहिया की जयन्ती पर एक गोष्ठी आहूत की गयी। जिसमें वक्ताओं ने डा0 राम मनोहर लोहिया को समाजवाद का महान पुरोधा एवं समाजवादी चिन्तक बताया। जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव ने कहा कि समानता की भी लड़ाई डा0 लोहिया ने ही लड़ी थी। उन्होने सभी को बराबरी का दर्जा दिये जाने की बात कही थी। इतना ही नहीं डा0 लोहिया ने जनता के मौलिक अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए सभी को दवा, पढ़ाई, रोटी, कपड़ा की व्यवस्था देने के लिए उस समय की सरकारों से संघर्ष किया था। जिलाध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि डा0 लोहिया के सिद्धान्तों पर ही समाजवादी पार्टी आगे बढ़ रही है। सपा सरकार में दवा, पढ़ाई, रोटी, कपड़ा सस्ता मुहैया कराया गया था। वही जिलाध्यक्ष विपिन सिंह यादव ने गोष्ठी में आये बडी संख्या में कार्यकर्ताओ से आहवन किया कि लोहिया जी के दिखाये रास्ते पर हम सब को चलना है। जिस तरह से वर्तमान सरकारें जनता का हनन करने में जुटी है। उसके लिये सभी कार्यकर्ताओ को इस सघर्ष के दिनों में कंधा से कंधा मिलाकर अत्याचारी सरकार को जवाब देना होगा और समाजवादी पार्टी की विचारधारा से लोगो को जोडकर 2022 में पुनः राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह यादव को बनाना होगा। इस मौके पर पूर्व विधायक मदन गोपाल वर्मा, डीडी कुशवाहा, मोईन खां, अल्पसंख्यक सभा के जिलाध्यक्ष चौधरी मंजर यार, महिला जिलाध्यक्ष संगीताराज पासी, लोहिया वाहिनी जिलाध्यक्ष मोहम्मद आजम खांन, नगर अध्यक्ष मोहम्मद शाबिर एडवोकेट अरूणेश पाण्डेय, जालिम सिंह, दयालू गुप्ता, चन्द्रप्रकाश लोधी, नफीस उददीन, रीता प्रजापति, वन्दना राकेश शुक्ला, फहमिदा खान, नफीसा बानो, कविता अग्निहोत्री, खागा नगर अध्यक्ष कलीम शेख, परवेज आलम, रवीन्द्र यादव, तनवीर हैदन, सउद अहमद, रहीम रईन कादरी, अंनसारूल हक, सत्यम तिवारी, मोहम्मद जहीर, कपिल यादव, जसवीर सिंह, कामता यादव मौजूद रहे।

राज्यमंत्री ने समर्थकों के साथ लगवाया वैक्सीन

फतेहपुर। प्रदेश के खाद्य एवं रसद राज्यमंत्री रणवेंद्र प्रताप सिंह उर्फ धुन्नी भैया ने अपने समर्थकों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हथगाम आकर कोविड-19 का वैक्सीन लगवाया। इसके बाद पत्रकारो से बात करते हुए उन्होंने लोगों से वैक्सीन लगवाने का अपील किया। राज्यमंत्री श्री सिंह अपने समर्थकों के साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आए और उन्होंने अपना डाटा ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर राजन गुप्ता को फीड कराने के बाद अधीक्षक स्वास्थ्य अधीक्षक डा0 अमित चौरसिया की अगुवाई में कोविड-19 की वैक्सीन लगवाई। संतोष नेता, श्याम लाल पासवान, अनिल कुमार शुक्ल, शरीफ सेठ, दिनेश अग्निहोत्री, रमेश निषाद, सूरजपाल निषाद, जगदेव सिंह, जीतू सिंह, विकास सिंह एवं पत्रकार शिव शरण बन्धु आदि लोगों ने उनके साथ वैक्सीन की डोज ली। राज्यमंत्री के आगमन पर वैक्सीन डे के दिन अस्पताल को फूलों से सजाया गया था। उनके आगमन पर डा0 अमित स्वास्थ्य अधीक्षक डा0 अमित चौरसिया के नेतृत्व में गुलदस्ता भेंट कर उनका स्वागत किया गया। इस मौके पर जिला सूचना अधिकारी बने आदर अदीब पावेल बन्धु ने राज्यमंत्री से भेंट कर उन्हें गुलदस्ता भेंट किया और आशीर्वाद लिया। इस मौके पर पत्रकारो से बात चीत करते हुए राज्य मंत्री ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वैक्सीन टीका की मुफ्त व्यवस्था की है इसलिए चालीस साल से ऊपर के सभी व्यक्तियों को वैक्सीन लगवानी चाहिए क्योंकि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री सहित तमाम बड़े नेता इसका लाभ ले चुके हैं। उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से अनुरोध किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में वैक्सीन का टीका लगवाएं ताकि कोरोना वायरस से पूरी तरह मुक्ति मिल सके। इस मौके पर नामित सभासद अनूप शुक्ला ने हाईवे पर डिवाइडर की व्यवस्था कराने का मांग किया। वहां उपस्थित नागरिकों ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में महिला चिकित्सालय बनवाए जाने का मांग किया। इस पर राज्यमंत्री ने कहा कि वे जल्द ही मुख्यमंत्री से मांग करेंगे।

रक्तदान कर शहीद क्रांतिकारियों को किया गया नमन

15 सदस्यों ने रक्तदान किया 70 ने कराया रजिस्ट्रेशन

फतेहपुर। देश की आजादी में अपना सर्वस्त्र न्यौछावर करने वाले वीर सपूतों को रक्तदानियों ने रक्तदान कर अनोखे तरीके से नमन किया। मंगलवार को शहीद भगत सिंह, शहीद सुखदेव, शहीद राजगुरु जी के 90वें शहीदी दिवस में सर्वफॉर हयूमैनिटी एवं नेशनल इंट्रीग्रेटेड फोरम आफ आर्टिस्ट एंड एक्टिविस्टस के तत्वधान में जिला अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें रक्तदानियों ने रक्तदान कर देश के लिये शहीद होने वाले क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। आयोजक गुरमीत सिंह बग्गा ने बताया कि रक्तदान शिविर उत्तर प्रदेश व कई राज्यो में निफा द्वारा देशभर में 1500 कैम्प लगाये गये है।

जिसके क्रम में सर्व फार ह्यूमैनिटी के 15 सदस्यों ने रक्तदान किया। साथ ही 70 लोगो के रजिस्ट्रेशन करवाये गये है। रक्तदान शिविर का उदघाटन बचपन स्कूल के प्रबंधक रोहिताब सोलंकी, करिश्मा सोलंकी जी व समाजसेवी डॉक्टर अनुराग श्रीवास्तव ने फीता काटकर किया। सर्व फार ह्यूमैनिटी की अध्यक्ष गुरप्रीत कौर ने बताया रक्तदान महादान है एक स्वस्थ्य इंसान को हर 3 महीने में रक्तदान करना चाहिए जिससे शरीर मे कई बीमारी जैसे हार्ट अटैक, कैंसर जैसी बीमारी नही होती है और रक्तदान करने से शरीर की कई जांचे निशुल्क होती है। रक्तदाताओं में अमन द्विवेदी, अमित कुमार, विकास सिंह, मयंक सिंह, सैयद नवाज, राज सर, विवेक मिश्रा, विश्वनाथ तिवारी, देवाशीष द्विवेदी, रवि सिंह, शिवराज, नारायण सिंह, संदीप सिंह, कुवरराज सिंह, नारायण सिंह भदौरिया, प्रांशु मोदनवाल ने रक्तदान किया। टीम से गुरमीत सिंह, गुरप्रीत कौर, रितेश दीक्षित, अतीश पासवान, राघवेंद्र पांडेय, राहुल कुमार, गोलू गुप्ता, सावन गुप्ता, तरन सिंह, प्रसून तिवारी, विवेक मिश्रा, शिखा सिंह, आकांक्षा सिंह, शोभित सिंह, बिंदकी अध्यक्ष अर्चित वर्मा, आकाश सिंह, सौम्या सिंह, अंशु, रजत केसरवानी, शेखर ब्लड बैंक टीम से प्रभारी डॉक्टर रुचि गुप्ता, इंचार्ज अशोक शुक्ला, नंद किशोर, शोशल सिंह, मनोज, अजय, बृजेश, राजू दीपाली, पूजा, रमेश, सुलभ आदि मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिया गया प्रशिक्षण

फतेहपुर। बाल पुष्टहार विभाग द्वारा संचालित शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को वास्तविक लाभार्थियों तक पहुचाने व उनका सही ढंग से संचालन किये जाने को लेकर मंगलवार को शहर के प्रेक्षाग्रह में पोषण अभियान के क्रम में जनपद के दो सैकड़ा चिन्हित आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण अभियान एवं संचालन के लिये आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों सहायिकाओं व रसोइयों को एक दिन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की बाबत जानकारी दी गयी। शिविर को सम्बोधित करते हुए जिला कार्यक्रम अधिकारी जया त्रिपाठी ने कहाकि शासन द्वारा संचालित महत्वपूर्व योजना का विभाग द्वारा संचालन किया जाता है जिसमे गर्भवती महिलाओं कुपोषित बच्चों के देखभाल की विशेष जिम्मेदारी का निर्वाहन होता है साथ ही आंगनवाड़ी केन्द्रो पर पंजिकृत बच्चो तक योजनाओं की विशेष जिम्मेदारी होती है जिसका निर्वाहन भली भांति किया जाना बेहद जरूरी है। इस मौके पर जिला कृषि अधिकारी ब्रजेश सिंह, जिला उद्यान अधिकारी, अपर संख्या अधिकारी कपिल कुमार, बाल विकास परियोजना अधिकारी कौशल किशोर सिंह, सीडीपीओ बहुआ नंदनी वर्मा, सीडीपीओ अमित सक्सेना समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

जनपद का लाल वेब सीरीज ताव में आयेगा नजर

जिले की प्रतिभा को नया आयाम मिलने पर छाई खुशी

फतेहपुर। जनपद का लाल फराज खान उर्फ नावाब वेब सीरीज में नजर आएगे। मोबाइल प्लेटफार्म पर वेब सीरीज उपलब्ध कराने वाले वाले बड़े बैनर तले निर्मिति हो रही वेब सीरीज ताव में जनपद की प्रतिभा फराज अहम रोल अदा करते हुए नजर आएगे। लगभग छः वर्षो से दिल्ली में थियेटर व मॉडलिंग करने वाले फराज को अपने पहले ही ऑडिशन में बड़े बैनर की बनने वाली वेब सीरीज के लिये चुना गया। इस फिल्म में मिर्जापुर वेब सीरीज में यूपी सीएम के भाई जेपी यादव के रोल से चर्चा में आए प्रमोद पाठक भी अभिनय कर रहे है। प्रमोद पाठक इसके अलावा रक्तांचल वेब सीरीज में वह त्रिपुरारी के कैरेक्टर में दिखे थे। जनपद के न्यू कालोनी ज्वालागंज निवासी फराज खान ने जनपद के चिल्ड्रन पब्लिक स्कूल से बारहवीं तक कि शिक्षा हासिल की है जिसके बाद दिल्ली के ड्रामा स्कूल से जुड़कर ड्रामा थियेटर करने लगे। नामी प्लेटफार्म की वेब सीरिज का ऑडिशन देने के बाद चुने जाने पर उत्साह से लबरेज फराज खान ने बताया कि नामी गिरामी एक्टरों के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने बताया कि पहले भी थियेटर में चुनौती पूर्ण रोल मिले हैं और अब मुझे बड़े बैनर से जुड़ने की खुशी है। लोगों ने हम पर भरोसा दिखाया है। सबसे बड़ी बात यह है कि नाम और पैसे के अलावा मुझे अपने काम से संतुष्टि भी मिली है। फराज जैसे अभिनेता को डिजिटल प्लेटफॉर्म के उभार और वेब सीरीज के प्रचलन ने उन्हें अचानक पहचान दी है। इसे लेकर फराज बेहद उत्साहित नजर आते है। ईओटीटी प्लेटफॉर्म के जरिए कैरेक्टर आर्टिस्ट्स को बड़ा मौका मिला है। नए एक्टर्स की खोज हुई है क्योंकि हर किसी के पास परफॉर्म करने का स्कोप है। वही फिल्म के बारे में फराज ने बताया कि वेब सीरीज की इस फिल्म की शूटिंग जनपद के अलाव कानपुर, दिल्ली, बैंगलोर, मुंबई आदि जगहों पर शूट की जा चुकी है 70 प्रतिशत से अधिक पूरी हो चूकी है। जल्द ही सोशल प्लेटफार्म पर रिलीज होगी। फराज की इस उपलब्धि पर परिजनों के अलावा विद्यालय के साथियों एव मोहल्ले वासियों द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया है जनपद आगमन पर उनको बधाई देने वालो का तांता लगा रहा।

होली पर डिपो चलाएगा 26 अतिरिक्त बसें

कन्नौज, संवाददाता। होली पर यात्रियों को रोडवेज बसों की कमी नहीं खलेगी। आने-जाने के लिए कन्नौज डिपो ने पहले से इंतजाम कर लिए हैं। दिल्ली रूट पर 26 अतिरिक्त बसे चलाई जाएंगी, जो कन्नौज से आगरा, मैनपुरी, अलीगढ़, गाजियाबाद, नोएडा होते कानपुर से दिल्ली तक अप डाउन करेंगी। इसके अलावा कन्नौज डिपो से 20 बसें रोजाना चलती हैं, उन बसों के भी चक्कर बढ़ाए गए हैं।

यह अतिरिक्त बसें 25 मार्च से 3 अप्रैल चलेंगी। इसके अलावा फजलगंज, विकास नगर, किदवई नगर, हरदोई, आगरा व रायबरेली समेत अन्य डिपो की बसें भी जिले से होते हुए जाएंगी। इससे रोडवेज का दावा है कि यात्रियों को त्योहार पर आने जाने में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। क्योंकि जीटी रोड के रास्ते सबसे ज्यादा आवागमन रोडवेज बसों से होता है। क्षेत्रीय प्रबंधक परिक्षेत्र हरदोई मनोज कुमार त्रिवेदी ने अतिरिक्त बसें चलाने की अनुमति दी है। होली पर अतिरिक्त काम करने पर संविदा व नियमित चालक व परिचालकों को ड्यूटी करने पर मानदेय व वेतन के अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मिलेगी। नौ दिन तक 2700 किमी चलने पर 3150 रुपये, दस दिन तक तीन हजार किमी चलने पर चार हजार रुपये एकमुश्त मिलेंगे। इसी तरह डिपो व कार्यशाला में तैनात कर्मियों को नौ दिन में एक हजार व दस दिन काम करने पर 1200 रुपये मिलेंगे। एआरएम राजेश कुमार ने बताया कि चालक-परिचालकों की ड्यूटी करनी होगी। किसी तरह का अवकाश नहीं मिलेगा। पूर्व में अवकाश के आए आवेदन रद कर दिए हैं। ड्यूटी न आने वालों पर कार्रवाई करेंगे। यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने देंगे।

नये आरक्षण के बाद भी आपत्तियों को दर्ज कराने को उमड़ा हुजूम

फतेहपुर। पंचायत चुनाव के आरक्षण पर हाईकोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के बाद नए सिरे से घोषित हुए आरक्षण के बाद भी सीटों को बदलवाने के लिये लोग बड़ी संख्या में आपत्तियां दर्ज करवाने मे लगे रहे। हाईकोर्ट के 2015 वाले फार्मूले को लागू करने के बाद नए सिरे से सीटों पर घोषित किये गये आरक्षण से भी लोग संतुष्ट नही नजर आये। रविवार से मंगलवार तीन दिनों तक आपत्तियों को दर्ज करवाने के लिये ग्राम पंचायतों से भारी भीड़ कलेक्ट्रेट उमड़ पड़ी। मंगलवार को जिलाधिकरी कार्यालय के बाहर आपत्ति डेस्क पर अंतिम दिन ग्राम प्रधान, बीडीसी सदस्य, व जिला पंचायत सदस्य बनने की चाहत रखने वाले सदस्यों ने जमकर आपत्तियां दर्ज कराई। इससे पहले चार फरवरी को पांच दिवस तक आपत्तियां दर्ज कराई गई थी। इलाहबाद उच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2011 के मानक को गलत मानते हुए वर्ष 2015 को मानक मानकर उसी आधार पर आरक्षण घोषित करने का निर्देश दिया था। जिसके बाद दोबारा से आरक्षण घोषित किया गया। आपत्तियों में सबसे अधिक ग्राम प्रधान पद के लिये आवेदन आये है। हालाकि क्षेत्र पंचायत सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, ब्लाक प्रमुख पर भी लोगो ने बड़ी संख्या आपत्तियां दाखिल की है। आपत्तियां दर्ज कराने के बीच प्रत्याशियों ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के रणक्षेत्र में उतरने की तैयारी भी जोर शोर से शुरू कर दी है। प्रधान बनने की हसरत दिल में रखे नये सदस्यों के साथ ही पुराने दिग्गज भी सीट बदलाव के लिये आपत्तियां दाखिल कर रहे है। पहले सरकार द्वारा वर्ष 2011 की जनगणना के हिसाब से आरक्षण का रोस्टर लागू करने के साथ ही 15 वर्षो के आरक्षण को भी समायोजित कर सीटों मे आरक्षण लागू किया गया था। बाद में इलाहबाद हाईकोर्ट ने इसे उचित न मानकर वर्ष 2015 को मानक माना है। नये आरक्षण से सीटों में बदलाव भी हो गया परन्तु इस आरक्षण से बड़ी संख्या में महारथियों की काबिज सीट भी बदलाव की जद मे आ गयी है दिग्गजों की सीटें आरक्षित जाने के बाद किसी भी तरह पंचायत चुनाव जीतने के लिये आपत्तियां दर्ज कराई जा रही है। दर्ज कराई गयी इन आपत्तियों का निस्तारण कर आरक्षण को पुनः प्रकाशित कराया जायेगा।

संदिग्ध अवस्था में छत से गिरकर महिला घायल

फतेहपुर। हुसेनगंज थाना क्षेत्र के जगतपुर गाढा ने मंगलवार की सुबह सदिग्ध परिस्थितियो में छत से गिरकर एक 23 वर्षीय युवती घायल हो गयी। वही महिला ने अपने पति पर मारने पीटने के बाद छत से फेकने का आरोप लगाया है। वही पति ने पत्नि द्वारा खुद से छत से कूदकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। महिला को उपचार के लिये सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार जगतपुर गाढा निवासी शिवसागर जो पीएसी का जवान हैं। आज सुबह उसकी पत्नी सुमन सदिग्ध परिस्थितियो में छत से गिरकर घायल हो गयी। सूचना पाकर मौके पर पहुची सरकारी एम्बुलेन्स ने घायल महिला को उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया जहा इलाज करा रही महिला ने अपने पति शिवसागर पर आरोप लगाया है कि उसे मारने पीटने के बाद छत से फेक दिया। जब कि पति का कहना है कि वह स्वयं से छत से कूदी है। वही उसने बताया कि 14 नवम्बर 2020 में वह मोबाइल द्वारा किसी से बात कर रही थी। जिसे उसे बात करते रगे हाथ पकडा इसी बात को लेकर आये दिन दोनो के बीच कहा सुनी होती थी वह मुझसे एक नया मोबाइल दिलाने की बात कर रही थी न देने पर उसने घटना को अंजाम दिया।

गढ़ा के बरहा में 3 कोरोना मरीज मिलने पर हड़कंप

विजयीपुर-फतेहपुर। भले ही कोविड-19 का टीका बनकर तैयार हो गया हो और जगह-जगह कोविड-19 की वैक्सीन लगाई जा रही हो परंतु अभी भी सतर्कता एवं सावधानी ही इसका इलाज है। क्षेत्र के गढा ग्राम पंचायत के बरहा गांव में सोमवार अचानक तीन लोगो की रिपोर्ट कोरोना पाजिटिव मिली हैं जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है लोगों में फिर से एक भय उत्पन्न होने लगा है आखिर इतने दिन बाद भी कोविड-19 की वैक्सीन बनने के बाद भी कोविड का अंत नहीं हुआ इसलिए हम सबको अभी भी मास्क लगाना अनिवार्य है और सोशल डिस्टेंस समेत सभी कोविड के नियमों का पालन करना बहुत जरूरी है अगर कोविड से लड़ाई जीतनी है तो हम सबको मिलकर सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर चलना पड़ेगा।

सडक हादसे में पत्रकार घायल

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के ज्वालागंज रामलीला मैदान के समीप बीती रात बेकाबू बोलेरो ने एक हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार (महामंत्री) को जोरदार टक्कर मार दिया। जिससे पत्रकार गम्भीर रूप से घायल हो गये। घटना कर भाग रहे चालक को वाहन सहित हिरासत ले लिया। जानकारी के अनुसार हिन्दी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार आशीष दिक्षित पुत्र स्व0 कालका प्रसाद 35 बीती रात लगभग दस बजे अपनी मोटर साइकिल द्वारा किसी काम से जा रहे थे जैसे ही वह ज्वालागंज रामलीला मैदान के समीप पहुचे तभी सामने से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक में टक्कर मार दिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद भाग रहे चालक को आस-पास के लोगो ने वाहन सहित पकडकर पुलिस के हवाले कर दिया और गम्भीर अवस्था में पत्रकार को उपचार के लिये जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। हादसे में जहा उनका दाया पैर टूट गया वही सिर व शरीर में चोटे आयी।

पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 638 नये मामले आये सामने

लखनऊ, संवाददाता। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य ने कोरोना संक्रमण की जानकारी देते हुए अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 119470 सैम्पल की जांच की गयी। प्रदेश में अब तक कुल 33835134 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 638 नये मामले आये हैं। प्रदेश में 3844 कोरोना के एक्टिव मामले हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में अब तक 596101 लोग कोविड-19 से ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस समय कई प्रांतों में संक्रमण के केस बढ़ रहे हैं, जिससे प्रदेश में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। आप लोग अपने हाथ को साबुन पानी से बार-बार धोते,सेनेटाइज करते रहें, तथा मास्क का प्रयोग अवश्य करें। श्री प्रसाद ने बताया कि प्रदेश के सभी मेडिकल कालेज, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सप्ताह के छः दिन सोमवार से शनिवार एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर सोमवार, गुरूवार और शुक्रवार तक कोविड वैक्सीनेशन का टीकाकरण किया जा रहा है।प्रेस कॉन्फ्रेंस में मिशन निदेशक रा0स्वा0 मिशन अपर्णा उपाध्याय ने कहा टी0बी0 एक गम्भीर बीमारी है लेकिन अब ये असाध्य नहीं है।

अगर इसका इलाज समय से और पूरा करवाया जाता है तो एक वर्ष में रोगी स्वस्थ हो जाता है। सरकार प्रत्येक रोगी को निःशुल्क इलाज के साथ-साथ उचित पोषण के लिए 500 रूपये प्रतिमाह देती है। यह भुगतान निक्षय पोषण योजना के अन्तर्गत क्षय रोगी के खाते में सीधे किया जाता है। इस अवसर पर राज्य क्षय नियंत्रण अधिकारी डॉ0 संतोष गुप्ता ने प्रेस प्रतिनिधियों को प्रजेन्टेशन के माध्यम से टी0बी0 की गम्भीरता, प्रदेश में चलाये जा रहे टी0बी0 नियंत्रण कार्यक्रमों तथा प्रदेश सरकार द्वारा इस दिशा में अब तक प्राप्त सफलताओं के बारे में अवगत कराया।

अब 21 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति नहीं कर सकेंगे मदिरा की खरीद

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने विभिन्न प्रकार की मदिरा की फुटकर बिक्री की सीमा का निर्धारण करते हुये अधिसूचना 05 मार्च, 2021 को जारी कर दी गयी है। निर्धारित की गयी मदिरा की सीमा से अधिक अब न तो किसी को फुटकर बिक्री की जा सकेगी न ही इस सीमा से अधिक कोई व्यक्ति मदिरा रख सकेगा। समुद्रपार आयातित विदेशी मदिरा 1.5 लीटर, भारत में भरी वाइन 02 लीटर, समुद्रपार आयातित वाइन 02 लीटर, भारत में भरी बीयर 06 लीटर, समुद्रपार आयातित बीयर 06 लीटर, अन्य प्रकार की भारतीय, आयातित मदिरा 1.5 लीटर, एल.ए.बी. 06 लीटर से अधिक अपनी अभिरक्षा में नहीं रख सकेगा।

शहीदे आजम भगत सिंह की पुण्य तिथि पर निकली नशामुक्त पदयात्रा

लखनऊ, संवाददाता। मंगलवार को शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की पुण्यतिथि लखनऊ सहित पूरे देश में मनाई गई। हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा से परिवर्तन चौक तक सांसद कौशल किशोर व मलिहाबाद की विधायक जयदेवी कौशल के नेतृत्व में आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने के 75 सप्ताह पहले चल रहे आजादी अमृत महोत्सव के अंतर्गत नशा मुक्त समाज आंदोलन अभियान कौशल का के तहत नशा मुक्त पदयात्रा आयोजित की गई। इस पदयात्रा में हजारों लोगों ने शिरकत की। शाम 5.00 बजे यह पदयात्रा परिवर्तन चौक स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा पर समाप्त हुई। इस पदयात्रा में हमारा परिवार नशा मुक्त परिवार हमारा प्रदेश नशा मुक्त प्रदेश हमारा देश नशा मुक्त देश के नारे लगे। पदयात्रा में शामिल लोगों ने हाथों में तख्तियां पकड़ रखी थी जिन पर लिखा हुआ था हमारा परिवार नशा मुक्त परिवार, हमारा मोहल्ला नशा मुक्त मोहल्ला, पदयात्रा में लोगों ने तिरंगे झंडा के साथ-साथ हमारा परिवार नशा मुक्ति परिवार के झंडे व बैनर लेकर चल रहे थे।

देश में आम जनता सुरक्षित नहीं:अखिलेश

क्रांतिकारी धनसिंह कोतवाल की मूर्ति का किया अनावरण

लखनऊ, संवाददाता। मेरठ के मवाना स्थित नवजीवन कॉलेज के प्रांगण में क्रांतिकारी धनसिंह कोतवाल की मूर्ति का सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अनावरण किया। उसके बाद रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि शहीद धनसिंह कोतवाल ने अपने जीवन को न्योछावर कर देश को आजाद कराने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने सही धनसिंह कोतवाल, भगत सिंह एवं राम मनोहर लोहिया के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। उसके बाद उन्होंने रैली को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि गरीब मजदूर किसान परेशान है। किसानों का समय पर गन्ना भुगतान नहीं हो पा रहा है। केंद्र व प्रदेश में चल रही भाजपा सरकार में आम जनता सुरक्षित नहीं है। किसान अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठा हुआ है। लेकिन उनकी आवाजों को दबाया जा रहा है। पूर्व में पहले तो नोटबंदी ने मारा, फिर कोरोना की महामारी ने रुला दिया, उसके बाद अब डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस में बढ़ोतरी कर जनता का दिवाला निकाल दिया। उन्होंने कहा कि पूर्व में रही सपा सरकार ने किसानों का गन्ना मूल्य बढ़ाया था। तथा गरीबों को पेंशन, लैपटॉप, साईकिल, कन्या विद्याधन मजदूरों को रोजगार देने का काम किया था। प्रदेश में भाजपा सरकार को 4 साल पूरे हो गए हैं। लेकिन युवाओं को न तो रोजगार मिला और न ही गरीबों को किसी योजना का लाभ मिला। बॉर्डर पर तीन कानून को लेकर धरने पर बैठे हुए हैं। लेकिन किसानों की मांगों को सुना नहीं जा रहा है। किसानों की आवाज को दबाया जा रहा है। देश में महंगाई अपने चरम सीमा पर है। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ चुका है भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जब जीत होती है तो सबसे पहले हस्तिनापुर का विधानसभा सीट जीतने के बाद सरकार बन जाती है। उन्होंने पूर्व विधायकों को आश्वस्त किया कि वह एक बार फिर चुनाव मैदान में आएंगे और भारी मतों से जीत कर प्रदेश का चहुमुखी विकास करेंगे। इस मौके पर अतुल प्रधान ने रैली को संबोधित करते हुए कहा कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दो बार टिकट दिया और में हार गया। लेकिन अखिलेश यादव ने मेरी हिम्मत को बढ़ाया।

पुलस्त एनकाउंटरः एसीपी बीनू सिंह भी शामिल थीं

लखनऊ, संवाददाता। 09 अगस्त 2020 की रात सर्वोदय नगर, लखनऊ निवासी पुलस्त तिवारी के कथित मुठभेड़ में पुलस्त के अनुसार अन्य पुलिस वालों के साथ एसीपी बीनू सिंह भी शामिल थीं. यह बात एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा जारी पुलस्त के घरवालों द्वारा बनायीं गयी पुलस्त की एक विडियो से सामने आया है। इस विडियो में पुलस्त बता रहे हैं कि उनके कथित मुठभेड़ में कौन-कौन पुलिसवाले शामिल थे और किस प्रकार से इस घटना को अंजाम दिया गया. उनके अनुसार उन्हें ले कर कूड़ा वाले रास्ते पर औरंगाबाद क्रासिंग के पास ले जाया गया. वहां एसीपी ने दोनों तरफ के रास्ते ब्लाक करा दिया. इसके बाद उनके हाथ-पाँव बाँध दिए गए. उन्हें कहा गया कि उन्हें मात्र एक गोली मारा जायेगा. इसी बीच वहां से माल गाड़ी गुजरी और उसी समय उनपर फायरिंग कर दी गयी. इसके बाद पुलिसवालों ने कहीं से ला कर काले रंग की स्प्लेंडर वहां गिरा दी. साथ ही जबरदस्ती उनके हाथ में कट्टा पकड़ा दिया गया. इसके बाद उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ नाटकीय ढंग से इस मुठभेड़ की घटना को प्रचारित किया गया। पिछले दिनों पुलस्त की माँ मंजुला तिवारी द्वारा पुलिसवालों के खिलाफ दायर वाद में पूर्व इंस्पेक्टर संजय राय, दरोगा महेश दुबे, सिपाही मोहित सोनी, राकेश सिंह, बलवंत कुमार तथा अन्य पुलिसवालों पर एफआईआर दर्ज किया गया है. इन पर हत्या का प्रयास, साजिश रचने और सबूत मिटाने की धाराओं में एफआईआर लिखी गई है।लखनऊ पुलिस ने दावा किया था कि आशियाना थाना क्षेत्र में देर रात हुई मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश पुलस्त तिवारी को गिरफ्तार किया है, जिसके दाहिने पैर में गोली लगी।

चारबाग स्टेशन पर अवैध वेंडरों के विरुद्ध चला जांच अभियान

लखनऊ, संवाददाता। अपने सम्मानित रेल यात्रियों को उत्कृष्ट रेल सुविधाएं एवं उच्च गुणवत्तापूर्ण खान पान सामग्री की उपलब्धता हेतु निरंतर प्रयासरत रहते हुए मंडल द्वारा विभिन्न गतिविधियों एवं कार्यवाहियों को अमल में लाया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में निरंतरता से अनेक अभियानों को संचालित करते हुए समस्त गतिविधियों को अत्यंत क्रमबद्ध रूप से संचालित करने की व्यवस्था की गई है,जिसका अभिप्राय यात्री सुविधाओं का विस्तार करते हुए आदर्श मानकों पर आधारित सुविधाओं को उपलब्ध कराना है, इसी को दृष्टिगत रखते हुए लखनऊ स्थित चारबाग स्टेशन पर अनाधिकृत वेंडरों के विरुद्ध एक सघन जांच का आयोजन निरंतरता से संचालित किया जा रहा है तथा इसी अभियान के तहत आज वाणिज्य विभाग की टीम ने गाड़ी संख्या 03307 पर सघन जांच करते हुए एक व्यक्ति को अनाधिकृत रूप से अप्रमाणित पानी की बोतलों को 20 रूपये में बेचते हुए पकड़ा एवम इसके पास से 02 पेटी अप्रमाणित पानी की बोतलें भी बरामद की गई। इस व्यक्ति को बोतलों की पेटी सहित तत्काल अग्रिम कार्यवाही हेतु रेल सुरक्षा बल के सुपुर्द कर दिया गया। उल्लेखनीय है लखनऊ स्टेशन पर रेलनीर को 15 रूपये प्रति बोतल के निर्धारित मूल्य पर यात्रियों हेतु उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान है । मंडल रेल प्रबंधक संजय त्रिपाठी ने इस विषय में अवगत कराया कि मंडल अपने यात्रियों को अपनी सर्वोच्च सेवाएं एवम उच्च गुणवत्तापरक खान पान सामग्री सहित अन्य वांछित वस्तुओं को उपलब्ध कराने की दिशा के पूर्ण प्रतिबद्धता से संकल्पित है। उन्होंने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे अधिकृत विक्रेताओं एवं वेंडरो से ही खाद्य एवं पेय पदार्थ खरीदे एवं यह भी बताया वर्तमान स्थितियों के अंतर्गत मात्र पैक्ड सामग्री (त्मंकल जव मंज) को ही बेचने का प्रावधान किया गया है।

यूपी में जल्द बनेगी संस्कृत निदेशालयःडॉ. दिनेश शर्मा

लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कोविड के मद्देनजर 25 से 31 मार्च तक प्रदेश के उच्च शिक्षा संस्थानों में ऑनलाइन क्लास का सुझाव दिया है। इस दौरान होली की तय छुट्टी के अलावा शिक्षक बचे हुए दिनों में ऑनलाइन ही क्लास लेंगे। ऑफलाइन क्लास नहीं होंगी। इस दौरान यदि कोई परीक्षा तय हैं, तो वह अपने निर्धारित कार्यक्रम में होंगी। डॉ शर्मा मंगलवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी में अभिनव गुप्त संस्थान के नए भवन के उद्घाटन पर बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जिस तरह से कोविड बढ़ रहा है, उससे हमे बचाव के लिए जागरूक होने की जरूरत है। डिप्टी सीएम ने कहा कि जल्द ही प्रदेश का पहला संस्कृत निदेशालय बनेगा। संस्कृत का सिलेबस भी एनसीईआरटी पैटर्न पर होगा। उन्होंने कहा कि अभिनव गुप्त संस्थान के लिए 8 शिक्षकों के पद स्वीकृत किये हैं, जिन्हें जल्द से जल्द भरकर पढ़ाई शुरू कराई जाय।

ईंट-पत्थर से सिर और चेहरा कुचलकर मजदूर की हत्या

लखनऊ, संवाददाता। इंदिरानगर के चांदन गांव में सोमवार देर रात जहांगीर (21) की ईंट-पत्थर से सिर और चेहरा कुचलकर हत्या कर दी गई। वारदात को अंजाम देकर बदमाशों ने उसका शव झाडियों के बीच गड्ढे में फेंका और भाग निकले। आरोप है कि जुआं खेलने के दौरान हार-जीत को लेकर दोस्तों के साथ झगड़ा हुआ था। पिता के आरोप पर पुलिस ने मृतक के एक दोस्त को हिरासत में ले लिया है। इंदिरानगर के सुगामऊ में रहने वाला जहांगीर मजदूरी करता था। मंगलवार सुबह चांदन गांव में झाडियों के बीच गड्ढे में उसका खून से लथपथ शव पड़ा देख लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इंदिरानगर इंस्पेक्टर अजय प्रकाश त्रिपाठी और पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इस बीच पहुंचे सुगामऊ निवासी जमाल ने शव की शिनाख्त बेटे जहांगीर के रूप में की। इंस्पेक्टर के मुताबिक जमाल ने बताया कि उनका बेटा सोमवार रात घर से निकला था। वह चांदन गांव में रहने वाले रफीकुद्दीन और उसके साथियों के साथ जुआं खेल रहा था। जुआं खेलने के दौरान हार-जीत को लेकर दोनों का झगड़ा हुआ। इसके बाद रफीकुद्दीन ने अपने साथियों के साथ मिलकर ईंट-पत्थर से ताबड़तोड़ बेटे के सिर और चेहरे पर प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। बाद में शव छुपाने के लिए झाडियों के बीच गड्ढे में फेंक दिया। इंस्पेक्टर ने बताया कि दोनों ही पक्ष असोम के रहने वाले हैं। यहां लंबे समय से रह रहे थे। जमाल की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इसके साथ ही पुलिस टीम ने दबिश देकर क्षेत्र से रफीकुद्दीन को भी हिरासत में ले लिया है। रफीकुद्दीन से हत्या के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

125 डीएसपी के हुए तबादले पुलिस महकमें मे मचा हड़कंप

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में होने वाले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अधिसूचना की तारीख जैसे जैसे नजदीक आ रही है वैसे वैसे प्रशासन में भी कई सारे बदलाव किए जा रहे है। मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार ने पुलिस महकमें में बड़ा बदलाव किया है। दरअसल उत्तर प्रदेश सरकार ने 125 पुलिस उपाधीक्षकों के तबादले कर दिए। आदेश के अनुसार जनपद गोरखपुर, अलीगढ़, बदायूं, बुलंदशहर, बरेली, देवरिया, फतेहगढ़, फिरोजाबाद, एटा, इटावा, फिरोजाबाद, गोंडा और हरदोई समेत कई जनपद के पुलिस उपाधीक्षकों की तैनाती में फेरबदल किया गया है। आपकी जानकारी के लिए बतादें की राज्य निर्वाचन आयोग रंगो के त्योहार होली के ठीक पहले त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की अदिसूचना जारी करने की तैयारी कर रहा है। राज्य निर्वाचन आयोग 30 अप्रैल तक मतदान की पूरी प्रक्रिया करवा कर तीन चार मई तक मतगणना करा सकती है। चार चरणों में पूरे होने वाले पंचायत चुनाव को पूरा होने में करीब 40 दिन का समय लगेगा। उम्मीद की जा रही है कि अधिसूचना जारी होने तक अभी कई और प्रशासनिक फेरबदल किए जा सकते हैं।

राजगुरु, सुखदेव और भगत सिंह के बलिदान की याद में लगी कला प्रदर्शनी

लखनऊ, संवाददाता। स्वतंत्रता सेनानी सुखदेव, राजगुरु और भगत सिंह के जीवन के क्षणों को दर्शाने वाले चित्रों की प्रदर्शनी का आज एमिटी विश्वविद्यालय में उद्घाटन किया गया। इन पेंटिंग को एमिटी स्कूल ऑफफाइन आर्ट्स और राज्य ललित कला अकादमी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित एक सप्ताह के आवासीय कला शिविर के दौरान बनाया गया। शिविर में देश के 14 नवोदित चित्रकारों ने एमिटी लखनऊ परिसर में ही रूककर एक सप्ताह तक कला साधना की। इस दौरान उन्होंने एमिटी स्कूल ऑफफाइन आर्ट्स के विद्यार्थियों को पेंटिंग की बारीकियों से भी परिचित कराया। यह शिविर उत्तर प्रदेश सरकार के फ्रचौरी चौरा शताब्दी समारोहफ्र के अंतर्गत आयोजित किया गया। सीताराम कश्यप, अध्यक्ष राज्य ललित कला अकादमी और यशवंत सिंह राठौर, सचिव राज्य ललित कला अकादमी के साथ-साथ प्रो. डॉ सुनील धनेश्वर, प्रो वाइस चांसलर एमिटी यूनिवर्सिटी लखनऊ कैंपस, विंग कमांडर (डॉ) अनिल कुमार, सहायक प्रो वीसी एमिटी लखनऊ, प्रोफेसर पूजा वर्मा, डायरेक्टर एमिटी स्कूल ऑफफाइन आर्ट्स और प्रो. मंजू अग्रवाल डीन स्टूडेंट वेलफेयर एमिटी लखनऊ ने दीप प्रज्वलित कर कला प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

किसान और मजदूर की बात करता है रालोदः मसूद

लखनऊ, संवाददाता। आज राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय पर अवध क्षेत्र की बैठक राष्ट्रीय लोकदल अवध क्षेत्र के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 मसूद अहमद तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय सचिव मध्य उ0प्र0 के प्रभारी ओंकार सिह मौजूद रहे। बैठक का संचालन प्रदेश प्रवक्ता सुरेन्द्रनाथ त्रिवेदी ने किया। बैठक में जिलाध्यक्षों ने कृषि के काले कानूनों, जिला पंचायत के त्रिस्तरीय चुनाव और आगामी 2022 के विधानसभा के चुनावों पर अपने विचार व्यक्त किये। प्रत्येक जनपद में किसान पंचायतों को आयोजित करने का निर्णय लिया गया तथा जनपद स्तर पर होने वालों पंचायत चुनावों में सक्रिय भागीदारी का प्रस्ताव पास किया गया। बैठक को बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुये प्रदेश अध्यक्ष डॉ0 मसूद अहमद ने कहा कि संगठन को मजबूत करने में आने वाली समस्याओं से दल के सक्रिय कार्यकताओं को अपार संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हर्ष की बात यह है कि राष्ट्रीय लोकदल जातिवादी राजनीति की बात नहीं करता बल्कि केवल किसान और मजदूर की बात करता है साथ ही युवा वर्ग की बेरोजगारी के प्रति चिंतित रहता है। बेरोजगारी के क्षेत्र में सभी जातियों और सभी सम्प्रदायों के लोग बेकारी का दंश झेल रहे हैं। राष्ट्रीय लोकदल सभी समस्याओं के लिए सड़क से संसद तक संघर्ष करेगा। केन्द्र सरकार द्वारा पारित काले कृषि कानूनों को निरस्त कराने में राष्ट्रीय लोकदल महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। बैठक को सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय सचिव एवं मध्य उप्र के प्रभारी ओंकार सिंह ने कहा कि किसान विरोधी केन्द्र और प्रदेश सरकार को निस्तनाबूत करने के लिए आज किसान मसीहा चौ0 चरण सिंह और समाजवादी नेता लोहिया के विचारों को जन जन तक पहुंचाने के लिए राष्ट्रीय लोकदल ने बीड़ा उठा लिया है। बैठक की अध्यक्षता कर रहे अवध क्षेत्र के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह ने कहा कि अवध क्षेत्र के सभी जनपदों में त्रिस्तरीय पंचातय चुनाव राष्ट्रीय लोकदल सक्रियता से लड़ेगा और सभी जनपदों में जिला पंचायत सदस्य के रूप में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करेंगा।

भाईयो से हुए विवाद के बाद गोमती में लगाई छलांग गोताखोर ने बचाया

लखनऊ, संवाददाता। घर के बिजली का बिल जमा करने की बात को लेकर दो छोटे भाईयो से हुए विवाद के बाद आजाद नगर खदरी मड़ियांव के रहने वाले 55 वर्षीय अब्दुल वाहिद ने मंगलवार की दोपहर गोमती नदी पर बने पक्के पुल से छलांग लगा दी। वाहिद के नदी मे कूदते ही पक्का पुल के पास डियूटी पर तैनात पुलिस कर्मियो ने गोताखोर पुरूषोत्तम को आवाज दी तो पुरूशेत्तम ने बिना देर किए नदी मे छलांग लगाई और 5 मिनट के अन्दर ही नदी मे कूदे अब्दुल वाहिद को बाहर निकाल लाया। आत्महत्या के इरादे से गोमती नदी मे कूदे अब्दुल वाहिद पेशे से मजदूर है और उनके परिवार मे उनकी पत्नी आबिदा खातून के आलावा बेटा अमन बेटी माहिरा खान और दो भाई वाजिद और राशिद है। पुलिस के अनुसार अब्दुल वाहिद के भाईयों वाजिद , राशिद से घर का बिजली का बिल जमा करने को लेकर विवाद हुआ था घरेलू विवाद के चलते ही अब्दुल वाहिद ने आत्महत्या का प्रयास किया। गोमती नदी से सुरक्षित निकाले गए अब्दुल वाहिद को उनके परिवार वालो के सुपुर्द कर दिया गया है। गोमती नदी मे कूद कर आत्महत्या का प्रयास करने वाले वाहि को बचाने की कोई भी कीमत पुरूषोत्तम ने न तो उसके परिवार से वसूल की और न ही उसने इसके एवज मे पुलिस से ही कोई राशी ली लेकिन पुरूषोत्तम वाहिद के परिवार के लिए किसी फरिश्ते से कम साबित नही हुआ।कश्यप नगर मोहन मेकिंग डालीगंज का रहने वाला 30 वर्षीय गोताखोर पुरूषोत्तम कश्यप के द्वारा आज अब्दुल वाहिद की ही सिर्फ जान नही बचाई गई है बल्कि गोताखोर पुरूषोत्तम ने अब तक नदी मे कूद कर आत्महत्या करने की कोशिश करने वाले दो सौ से भी ज्यादा लोगो की जान को अपनी जान जोखिम मे डाल कर बचाया है। पुरूषोत्तम गरीब परिवार से ताल्लुक रखता है और और नदी के किनारे बनी पहलवान शाह बाबा की मजार का सेवक है पुरूषोत्तम ने बताया कि लोगो की जान बचाने के एवज मे उसे राष्ट्रपति के द्वारा न सिर्फ प्रशस्ति पत्र मिल चुका है बल्कि 30 हजार की धनराशि भी उसे मिल चुकी है। गोताखोर पुरूषोत्तम के अनुसार लखनऊ के डीएम रह चुके अनिल सागर ने उसे 4 हजार रूपए के इनाम के साथ प्रशस्ति पत्र भी दिया था यही नही लखनऊ के पुलिस कप्तान रह चुके अखिल कुमार ने भी पुरूषोत्तम को प्रशस्ति पत्र दिया था। लोगो की जान बचाने मे हमेशा अग्रणी भूमिका मे रहने वाले पुरूषोत्तम का कहना है कि वो लोगो की जान बचाता है लेकिन लोगो की जान बचाते समय उसकी जान खुद जोखिम मे रहती है उसके पास नदी मे कूदने के लिए न तो आक्सीजन सिलेन्डर ही है और न ही उसे अभी तक किसी तरह का लाईफ सपोर्ट सिस्टम ही सरकार की तरफ से उपलब्ध कराया गया है।

शबे बरात और होली एक साथ होने पर अधिक एहतियात करेंः मौलाना खालिद रशीद

लखनऊ, संवाददाता। इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया फरंगी महल के चेयरमैन मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली इमाम ईदगाह लखनऊ ने अपने बयान में कहा कि शबे बरात एक नूरानी और बरकत वाली रात है। इस अवसर पर खूब इबादत की जाती हैं, नफली नमाजें पढ़ी जाती हैं, कुरान पाक की तिलावत की जाती है विर्द और वजीफे पढ़े जाते हैं, अपने लिए और दूसरों के लिए दुआयें मॉगी जाती हैं, सद्का और खैरात का एहतिमाम होता है। कब्रिस्तानों में जाकर अपने रिश्तेदारों और अन्य मरहूम के लिए मगफिरत की दुआ की जाती हैं और अगले दिन नफली रोजा रखा जाता है। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि इस साल यह पवित्र रात 28 मार्च इतवार को होगी। इसी रात में हमारे दूसरे भाई होली जलायेगें। इस लिए अपने कामों को पूरा करने में अधिक एहतियत करें। उन्होने कहा कि कोरोना वाइरस कोविड-19 जैसी भयानक वबा को एक साल हो गया है। मगर यह वबा रूकने का नाम नही ले रही है। इसी की वजह से 2020 में हमारी इबादत, मामलात थम गये थे। यह बीमारी अभी भी मौजूद है। इस लिए अकलमन्दी का तकाजा है कि अधिक से अधिक सुरक्षा के उपाये अपनाये जायें। शबे बरात के सिलसिले मूं इस्लामिक सेन्टर आफइण्डिया ने निम्नलिखित बिन्दुओं पर आधारित एडवायजरी जारी की है। 28 मार्च को शबे बरात है और इसी रात में होली भी जलाई जायेगी। इस लिए समझदारी और एहतियात से काम लें। कहीं भी चार आदमियों से अधिक जमा न हों। कब्रिस्तान में मास्क और सोशल डिस्टेंन्सिंग (सामाजी दूरी) का विशेश ख्याल रखें।आतिशबाजी और अन्य फुजूल काम न करें। अगले दिन 29 मार्च को रोजा रखें। इफ्तार और सेहरी के समय अन्य दुआयें के साथ इस वबा के अंत के लिए विशेष दुआयें करें।

जयकारे के साथ निकाली श्री श्याम दरबार के लिए निशान यात्रा

लखनऊ, संवाददाता। फूलों से सजे श्री श्याम के दरबार और भजनों की बारिश के बीच मंगलवार को श्री श्याम परिवार की ओर से नाका हिंडोला के हनुमान मंदिर से श्री श्याम मंदिर बीरबल साहनी मार्ग तक निशान यात्रा निकाली गई। जयकारे के साथ उप मुख्यमंत्री डा.दिनेश शर्मा ने चार दिवसीय महोत्सव की शुरुआत की। उन्होंने समाज के लोगों के बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार सबको साथ लेकर सबका विकास कर रही है। चार साल में सरकार ने जो किया, वह कोई सरकार नहीं कर पाई। यात्रा रवाना होने से पहले उप मुख्यमंत्री ने श्री खाटू श्याम का पूजन किया। पूरा हनुमान मंदिर गुंजायमान हो उठा। यात्रा के दौरान श्री खाटू श्याम की झांकी देखते ही बन रही थी। हाथों में निशान लिए महिलाएं जयकारे के साथ टोलियों में चल रही थीं। यात्रा में सुधीश गर्ग, सुशीर गर्ग, मनोज अग्रवाल समेत कई लोग शामिल हुए।

विभिन्न राज्यों में कोविड संक्रमण बढ़ने के मामलो पर प्रदेश में विशेष सतर्कता और सावधानी बरतने के निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। होली सहित अन्य पर्वों व त्योहारों, पंचायत चुनाव तथा देश के विभिन्न राज्यों में कोविड संक्रमण के बढ़ने की स्थिति के दृष्टिगत प्रदेश में विशेष सतर्कता और सावधानी बरतने के सम्बन्ध में विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। उक्त जानकारी देते हुये मुख्य सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने बताया कि आगामी पर्व, त्योहारों के दौरान अत्यधिक सतर्कता बरती जायेगी तथा किसी प्रकार के जुलूस इत्यादि प्रशासन से अनुमति प्राप्त करने के पश्चात ही आयोजित किये जायेंगे। अनुमति प्राप्त करने के पश्चात जुलूस या सार्वजनिक कार्यक्रम के आयोजक के लिए यह अनिवार्य होगा कि सामाजिक दूरी, सभी के लिए मास्क लगाना तथा सेनेटाईजर की व्यवस्था करेंगे। ऐसे जुलूसों, सार्वजनिक कार्यक्रमों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों, 10 वर्ष से छोटे उम्र के बच्चों तथा गम्भीर बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों को प्रतिभाग न करने दिया जाये।इसके अतिरिक्त जिन प्रदेशों में कोविड का संक्रमण अत्यधिक है, वहां से होली के त्योहार के लिए घर आ रहे लोगों की कोविड जांच अनिवार्य रूप से करायी जाये। कक्षा 8 तक के समस्त निजीध्सरकारी तथा अर्द्धसरकारी विद्यालयों में 24 मार्च से 31 मार्च तक होली का अवकाश कर दिया जाये। अन्य शिक्षण संस्थान (मेडिकल तथा नर्सिंग कॉलेज छोड़कर) दिनांक 25 से 31 मार्च तक के मध्य होली का अवकाश घोषित करेंगे, परन्तु जहां परीक्षायें चल रही होंगी, वहां परीक्षायें यथावत् अवश्य सम्पन्न करायी जायेंगी।इसके अलावा पुलिस ट्रेनिंग स्कूल तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों में यह सुनिश्चित किया जायेगा कि लोगों का बाहर आवागमन न्यूनतम हो। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक ग्राम पंचायत स्तर पर तथा शहरों में प्रत्येक वार्ड स्तर पर एक-एक नोडल अधिकारीध्कर्मी की तैनाती की जाये, जो ग्राम निगरानी समिति के माध्यम से यह सुनिश्चित करेंगे कि बाहर से आने वाले लोग अपनी-अपनी जांच करवायें तथा जांच का परिणाम आने तक अपने घर में ही रहेंगे। कान्टेक्ट ट्रेसिंग को तीव्र गति से किया जाये तथा जो भी व्यक्ति पॉजिटिव आयें उनके समस्त कान्टेक्ट (औसतन 25-30) 48 घण्टे के अन्दर चिन्हित करते हुए उनकी जांच करायी जाये। सभी जनपदों में डेडीकेटड हास्पिटल संचालित रहे एवं भविष्य के लिए अन्य अस्पतालों को भी इसके लिए नोटिस देकर तैयार रखा जाये। आवश्यक मानव संसाधन और उपकरणों की व्यवस्था की जाये। इन्फ्रारेड थर्मामीटर एवं पल्स आक्सीमीटर का उपयोग करते हुए लक्षण युक्त लोगों की पहचान की जाये। रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डो एवं बस स्टेशनों पर यात्रियों की सघन कोविड जांच करायी जाये। पब्लिक एड्रेस सिस्टम को पुनः क्रियाशील करते हुए लोगों को कोविड संक्रमण से बचने के लिए सावधानी का संदेश निरन्तर दिया जाये तथा आम जनता में कोविड वैक्सीनेशन का अधिक से अधिक प्रचार-प्रसार किया जाये। वैक्सीनेशन का कार्य तीव्र गति से किया जाये तथा इसके वेस्टेज को हर हाल में रोका जाये। इसके अतिरिक्त सार्वजनिक स्थलों पर भीड़-भाड़ न होने दी जाये और इस हेतु पुलिस द्वारा आवश्यक कदम उठाये जाये। जनपदों में स्थापित इन्टीग्रेटेड कोविड कमाण्ड सेण्टर में प्रतिदिन जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं मुख्य चिकित्साधिकारी बैठक करें तथा इसमें कोविड की स्थिति की समीक्षा करते हुए आवश्यक एहतियाती कदम उठाना सुनिश्चित किया जाये। जब भी कोई बंदी जेल से बाहर जाये तो कारागार प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि सोशल डिस्टेसिंग के नियमों का अनुपालन हो तथा जब बंदी वापस आये तो उसकी कोविड जांच करा ली जाये। सार्वजनिक स्थानों पर सभी व्यक्तियों द्वारा मास्क का प्रयोग करना तथा सोशल डिस्टेंसिंग रखना आवश्यक होगा। मुख्य सचिव ने सभी मण्डलायुक्तों, अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, उपमहानिरीक्षक रेन्ज, जिलाधिकारी, पुलिस महानिरीक्षक, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिये हैं कि उक्त दिशा-निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करायें।

सत्ता के लिए डॉ लोहिया ने कभी नहीं किया समझौताः हनीफ

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी विचारधारा के स्तंभकार, प्रखर चिंतक और स्वतंत्रता आंदोलन के अग्रणी नेता स्वर्गीय डॉ0 राम मनोहर लोहिया की 111 वीं जयंति के अवसर पर ऐशबाग स्थित कार्यालय पर तहरीक फिक्र-ए-मिल्लत फाउण्डेशन द्वारा गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में मुख्य रुप से उपस्थित संगठन के महासचिव हनीफ खान ने लोहिया जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। गोष्ठी में लोहिया के विचारों के साथ साथ भारतीय राजनीति में उनके योगदान को याद किया गया। श्री खान ने कहा कि लोहिया ने कभी भी सत्ता के लिए अपनी राजनीतिक विचारधारा से समझौता नहीं किया, आजीवन विपक्ष में रहते हुए उनकी भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता, सड़क से लेकर संसद तक उनके संघर्ष ने भारतीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका को नए आयाम दिये, उन्होंने कहा कि जहां एक ओर लोहिया जी का पूरा जीवन जन विरोधी नीतियों के विरोध व संघर्ष में बीत गया वही खुद को उनका राजनीतिक वारिस कहने वाले लोगों को आज संघर्ष के लिए चुनावी वर्ष का इंतजार रहता है।

मुद्रा स्फीति एवं महंगाई पर नियंत्रण की संभावनाएं

वर्ष 2014-15 में वस्तुओं एवं सेवाओं की खुदरा कीमतों में औसतन 5.9 प्रतिशत वृद्धि हुई थी। इसके बाद हर साल कीमतों में वृद्धि दर में कमी आती गई और वर्ष 2018-19 में गिरकर 3.4 प्रतिशत पर आ गई किंतु वर्ष 2019-20 में खुदरा कीमतों में वृद्धि दर बढ़कर 4.8 प्रतिशत हो गई। सरल शब्दों में कहा जा सकता है कि वर्ष 2014 से 2018 की पांच साल की अवधि में वस्तुओं की थोक एवं खुदरा कीमतें की दोनों ही वृद्धि दर गिरावट की ओर अग्रसर थीं, किंतु वर्ष 2019 से इनमें बढ़ने की प्रवृत्ति दिखाई देने लगी। कोविड-19 महामारी के देशव्यापी संक्रमण को रोकने के लिए सरकार द्वारा लॉक डाउन घोषित कर कड़ाई से पालन के कारण उत्पादन में गिरावट के कारण अप्रैल से दिसंबर 2020 की 9 माह की अवधि में खुदरा कीमतों में वृद्धि दर औसतन 6.6 प्रतिशत रही। इस प्रकार खुदरा कीमतों में वृद्धि दर 6 वर्ष पूर्व की स्थिति में पहुंच गई है। संतोष की बात है कि जनवरी से मार्च 2021 की अवधि में खुदरा कीमतों में वृद्धि दर घटकर 5.2 प्रतिशत रहने की संभावना है। खुदरा कीमतों में वृद्धि दर की गणना के लिए शिमला स्थित लेबर ब्यूरो द्वारा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक अर्थात सीपीआई इंडेक्स तैयार किया जाता है। यह एक भारित सूचकांक होता है, जिसमें दैनिक उपयोग में आनेवाले खाद्यान्न, अनाज, सब्जी फल, खाद्य तेल, प्रसाधन सामग्री, विभिन्न प्रकार की सेवाओं के खुदरा मूल्य सूचकांक बनाया जाता है और उसके बाद उपभोक्ता के लिए उन वस्तुओं के महत्व के अनुसार उनको भार दिया जाता है, उसके बाद उपभोक्ता मूल्य सूचकांक तैयार किया जाता है। वर्ष 2020 में वस्तुओं की खुदरा कीमतों में हुई 6.6 प्रतिशत उच्च वृद्धि दर के लिए कोविड-19 महामारी का अभिशाप जिम्मेदार रहा। इस उच्च दर में खाद्य पदार्थों की कीमतों में हुई लगभग 10 प्रतिशत उच्च वृद्धि दर का योगदान रहा। खाद्य पदार्थों में सब्जी की कीमतों की वृद्धि दर अति उच्च 11.0 प्रतिशत रही। सोने और चांदी की कीमतों में आने वाले उतार-चढ़ाव का भी उच्च वृद्धि दर में योगदान रहा। वर्ष 2020 में विविध सेवाओं की वृद्धि दर 9.4 प्रतिशत रही। दूसरा महत्वपूर्ण सूचकांक थोक मूल्य सूचकांक होता

है जो एक देश में उपभोग की जानेवाली वस्तुओं की थोक कीमतों पर आधारित होता है। खुदरा मूल्य सूचकांक के समान यह भी भारित सूचकांक है। थोक कीमतों में वृद्धि दर को अर्थशास्त्र में मुद्रा स्फीति दर नामकरण किया गया है। दरअसल अर्थशास्त्री मुद्रा स्फीति को एक मौद्रिक घटनाक्रम मानते हैं। जब बाजार में वस्तुओं की मांग की तुलना में मुद्रा की पूर्ति अधिक हो जाती है तो वह मुद्रा स्फीति कहलाती और मुद्रा की मांग की तुलना में पूर्ति कम होने को मुद्रा संकुचन कहा जाता है। आर्थिक नीतियों में राजकोषीय नीति और मौद्रिक नीति सबसे महत्वपूर्ण मानी जाती हैं क्योंकि ये सभी प्रकार की वस्तुओं और सेवाओं के मूल्यों को संचालित एवं नियंत्रित करती है। भारत में राजकोषीय नीति वित्त मंत्रालय द्वारा तैयार की जाती है जबकि जबकि मौद्रिक नीति को भारतीय रिजर्व बैंक तैयार करता है। मौद्रिक नीति में मुद्रा एवं साख की आपूर्ति दोनों शामिल होते हैं। वैश्विक स्तर पर कोविड-19 के फैलने तथा अमेरिका व यूरोप के विकसित अर्थव्यवस्था वाले देशों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई कच्चे खनिज तेल की कीमतों में गिरावट के कारण आर्थिक सुस्ती के कारण मुद्रास्फीति का स्वरूप कमजोर रहा। किंतु भारत में ग्रामीण एवं नगरीय दोनों ही क्षेत्रों में मूल्य वृद्धि दर उच्च रही। वित्त मंत्रालय के वर्ष 2019-20 के आर्थिक सर्वेक्षण प्रकाशन में एक नया शब्द थाली का अर्थशास्त्र गढ़ा गया था। यदि सामान्य शाकाहारी परिवार और मांसाहारी में घर पर ही शाकाहारी भोजन बनाया जाय तो उसकी गणना की गई। उस समय ग्रामीण क्षेत्र में शाकाहारी भोजन थाली की कीमत 21.50 रुपए और मांसाहारी भोजन थाली कीमत 29.50 रुपए तथा नगरीय क्षेत्र में शाकाहारी भोजन थाली की कीमत 23.50 रुपए और मांसाहारी भोजन थाली की कीमत 31.00 रुपए आंकी गई थी। कोविड-19 ने भोजन थाली लगभग 25 प्रतिशत महंगी कर दिया। कोविड-19 के कारण एक ओर तो एक चौथाई परिवारों ने आजीविका खोई और लगभग 50 प्रतिशत परिवारों की आमदनी यथावत रही किंतु उनका भोजन महंगा हो गया। भारत में वर्ष 2020 के कोविड-19 काल में राज्यों में महंगाई वृद्धि में एक समान नहीं थी। पूर्वोत्तर के राज्यों में महंगाई अर्थात वस्तुओं और सेवाओं की खुदरा कीमतों में वृद्धिदर 9 से 11 प्रतिशत उच्च रही वहीं पर दिल्ली, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, कर्नाटक और गुजरात में वृद्धि दर 3 से 5 प्रतिशत रही जो भारत के राज्यों में निम्न रही। बिहार, उत्तराखंड, ओडिशा, आंध्रप्रदेश और पश्चिम बंगाल में 7 से 9 प्रतिशत रही। लगभग सभी राज्यों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में नगरीय क्षेत्रों में महंगाई में वृद्धि 10 से 15 प्रतिशत अधिक रही। चूंकि कोरोना काल में उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई में खाद्य पदार्थों की कीमतों में उल्लेखनीय वृद्धि का योगदान रहा है, इसलिए सरकार द्वारा कीमतों में स्थिरता लाने के लिए अनेक कदम उठाए गए, जैसे कि प्याज के निर्यात पर रोक, प्याज की जमाखोरी पर रोक और दाल के आयात पर लगे प्रतिबंधों पर ढिलाई, आदि। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि कीमतों मे वृद्धि को रोकने के लिए अल्पावधि उपायों के अलावा सरकार को मध्यम से दीर्घावधि उपायों में पूंजी निवेश करने की आवश्यकता है, जैसे कि विकेन्द्रीकृत शीत भंडारण की सुविधाओं के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के भंडारणों को उत्पादन केन्द्रों पर उपलब्ध कराना, किसानों को उर्वरकों के विवेकशील इस्तेमाल हेतु शिक्षित करना, समय पर फसलों की सिंचाई करना और पोस्ट-हार्वेस्ट तकनीक आदि ग्रीन्स पोर्टल की हानि को रोकने के लिए जरूरी है।प्याज के बम्फर स्टॉक नीति की समीक्षा की जानी चाहिए। नुकसान को कम करने के लिए उपजों को समय पर बाजार में भेजना सुनिश्चित करने के लिए कुशल प्रबंधन प्रणाली विकसित करना जरूरी है। ये उपाय सामान्य काल में तो जरूरी हैं ही किंतु कोविड-19 ने इन उपायों का महत्व बढ़ा दिया है। सरकार ने इन उपायों के क्रियान्वयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। चूंकि आर्थिक विकास के लिए 3 प्रतिशत तक की मुद्रा स्फीति को जरूरी माना जाता है, इस तथ्य को देखते हुए कहा जा सकता है कि वर्ष 2021-22 में मुद्रा स्फीति नियंत्रित रहेगी। आम उपभोक्ता के हित में खुदरा महंगाई पर नियंत्रण जरूरी है, इस पर भी नियंत्रण की पूरी संभावना है।

सम्पादकीय

मौलिक चिंतक थे डॉ राममनोहर लोहिया

प्रखर समाजवादी एवं मौलिक चिंतक डॉ राममनोहर लोहिया की आज 111वीं जयंती है. संयोग से यह साल गोवा क्रांति दिवस की 75वीं एवं श्गोवा की आजादीश् की 60वीं वर्षगांठ भी है. यह गोवा के गौरवशाली अतीत से परिचित होने का अवसर है. क्या गोवा मुक्ति संग्राम के महानायकों से जुड़े स्थलों को हमें अपने पर्यटन मानचित्र में शामिल नहीं करना चाहिए, ताकि लोगों को गोमंतकों के अतुलनीय संघर्ष एवं बलिदान की जानकारी मिले?पिछले महीने मैंने उत्तरी एवं दक्षिणी गोवा में डॉ लोहिया से जुड़े कई महत्वपूर्ण स्मारकों एवं स्थलों का भ्रमण किया. गोवा मुक्ति आंदोलन के शिल्पकार डॉ लोहिया एवं उनके सहयोगियों से जुड़े कई अहम दस्तावेज भी मले. उसी दौरान यह खबर आयी कि गोवा सरकार डॉ लोहिया की स्मृति में अग्वादा किला जेल को संग्रहालय बना रही है. इसी परिसर में उनकी प्रतिमा का अनावरण भी होगा.राज्य सरकार का यह निर्णय स्वागतयोग्य है. लाखों की संख्या में प्रतिवर्ष देशी-विदेशी पर्यटक अग्वादा किला देखने आते हैं. उन्हें इस संग्रहालय से नवीन जानकारियां मिल सकेंगी. गोवा मुक्ति युद्ध के इतिहास में श्री दामोदर विद्या भवन का उल्लेखनीय स्थान है. यह इमारत मडगांव स्थित लोहिया मैदान के नजदीक है. इसी भवन में 14 जून, 1946 को डॉ लोहिया और डॉ जूलियाओ मेनेजिस समेत करीब पचास लोगों ने गुस बैठक की थी. यहां से चंद फर्लांग की दूरी पर मडगांव थाना भी है, लेकिन पुर्तगाली पुलिस को उक्त बैठक के बारे में भनक तक नहीं लगी.

चार दिन बाद 18 जून, 1946 को डॉ लोहिया ने पुर्तगाल शासन के खिलाफ क्रांति का ऐलान कर दिया. जनसभा के बाद उन्हें गिरफ्तार कर अग्वादा किला जेल में बंद कर दिया गया. महात्मा गांधी ने भी उनकी गिरफ्तारी का पुरजोर विरोध किया था. हफ्ते भर बाद उन्हें रिहा तो कर दिया गया, लेकिन उनके गोवा आने पर पाबंदी लगा दी गयी. डॉ लोहिया एक जनपक्षधर नेता थे और वे समाजवादी इस अर्थ में थे कि समाज ही उनका कार्यक्षेत्र था.

वे औपनिवेशिक सत्ता के खिलाफ और लोकतंत्र के प्रबल पैरोकार थे. लोकतंत्र के प्रति उनकी आस्था का एक प्रमाण यह भी है कि उन्होंने नेपाल और बर्मा में भी लोकतंत्र बहाली के लिए उल्लेखनीय कार्य किये. वे मानव मात्र को किसी देश का नहीं, बल्कि विश्व का नागरिक मानते थे. जब भारत आजाद हुआ, गोवा तब भी पुर्तगालियों के अधीन था. वर्ष 1954 में फ्रांस ने पांडिचेरी (अब पुद्दुचेरी) को मुक्त कर दिया, लेकिन गोवा स्वतंत्र नहीं हुआ. लंबे संघर्ष और हजारों लोगों की कुर्बानियों के बाद 19 दिसंबर, 1961 को गोवा को पुर्तगाली दासता से मुक्ति मिली. इस संघर्ष में गोमंतकों के साथ बाहर के लोग भी शामिल थे. यह डॉ लोहिया ही थे, जिन्होंने गोवा मुक्ति संग्राम से पूरे भारत को जोड़ दिया. उनके अनुयायियों के लिए गोवा पुण्य भूमि है. जिस स्थान ने डॉ लोहिया को इतिहास में महानायक बनाया, वह मडगांव से बारह किलोमीटर दूर आसोलना गांव में डॉ जुलियाओ मेनेजिस का घर है. डॉ लोहिया और डॉ मेनेजिस जर्मनी के हम्बोल्ट विश्वविद्यालय में साथ पढ़ते थे. लाहौर किला जेल से रिहा होने के बाद उनके आग्रह पर डॉ लोहिया स्वास्थ्य लाभ हेतु आसोलना आये थे. लेकिन, इतिहास को शायद कुछ और मंजूर था तथा डॉ लोहिया के निमित्त एक महान कार्य संपादित होना था. उनका मानना था कि गोवा के बगैर भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई अधूरी है. पुर्तगाल शासन के विरुद्ध डॉ लोहिया ने आसोलना के लोगों को एकजुट किया. उनकी अपील पर मडगांव, पणजी, मापुसा, वास्को, फोंडा के अलावा कोंकण के कई अंचलों में गोमंतकों की बैठकें होने लगीं. मडगांव मैदान (अब लोहिया मैदान) में डॉ लोहिया की जनसभा ने यह तय कर दिया था कि देर-सबेर गोवा आजाद होकर रहेगा. डॉ लोहिया को भारत में जिस रूप में भी याद किया जाता हो, लेकिन गोवा में उन्हें मुक्ति योद्धा का दर्जा हासिल है. जिस श्रद्धा से अपने देश में महात्मा गांधी को स्मरण किया जाता है, उसी आदर भाव से गोवा में डॉ लोहिया को याद किया जाता है. कोंकणी में उन पर केंद्रित कई लोकगीतों एवं कविताओं की रचना हुई है. गोमंतकों के बीच अग्वादा का शेर कहे जानेवाले डॉ राममनोहर लोहिया के सम्मान में कोंकणी के प्रसिद्ध कवि मनोहर राव सरदेसाई ने ये अप्रतिम पंक्तियां लिखी है- 'आज हम हो गये आजाद, मुक्त हमारी आवाजध् सब कुछ देने को हम तैयार, मांग लो हमारा प्यारध् हे अग्वादा के शेर, तुमने, जागने की दे दी पुकार...।

वर्दी में कब तक छिपे रहेंगे

अपराध कथाओं के लेखकों ने अपराधियों के बेहतरीन रेखाचित्र खींचे हैं। फ्रांसीसी लेखक ज्यां जेने ने अपनी कालजयी कृति द थीफ्स जर्नल में एक अपराधी का अद्भुत चित्रण किया है, जिसमें वह इसलिए भी सफल हुआ कि यह काफी हद तक आत्मकथात्मक था। रूसी उपन्यासकार दोस्तोवस्की के उपन्यास क्राइम ऐंड पनिश्मेंट का नायक भी शब्दों में रचा जाकर भी लेखक के रचनात्मक कौशल के कारण पाठक के समक्ष हाड़मांस के सजीव पुतले के रूप में मौजूद रहता है। इस तरह के बहुत से चरित्र विश्व साहित्य में बिखरे पड़े हैं और पाठकों को मानव स्वभाव समझने का बेहतरीन अवसर प्रदान करते हैं। इन सबके बीच अपराधियों की एक जमात ऐसी भी होती है, जिसे पहली नजर में तो अपराधी कहना भी मुश्किल है, यहां तक कि बाज वक्त तो अपने किए के लिए वह समाज में नायक के रूप मे सम्मानित होता है, पर अपने आचरण के ठंडेपन और क्रूरता में वह किसी शातिर अपराधी को भी मात दे सकता है। मुंबई पुलिस के इंस्पेक्टर सचिन वाजे ऐसा ही एक शख्स है, जिसकी प्रजाति को पूर्व में मुंबई पुलिस कमिश्नर रहे जूलियो रिबेरो ने वर्दी में अपराधी की संज्ञा से विभूषित किया है।

अपने राजनीतिक आकाओं का लाडला सचिन वाजे, अति आत्मविश्वास के चलते कुछ गलतियां न कर बैठता, तो निश्चित तौर पर किसी नायक की तरह फूल-मालाओं से लदा-फदा किसी अखबार या चैनल के लिए फोटो शूट करा रहा होता। रिबेरो ने जिन्हें अपराधी कहा, उन्हें आम बोलचाल की भाषा में 'एनकाउंटर स्पेशलिस्ट' या मुठभेड़ विशेषज्ञ कहा जाता है। वैसे तो यह प्रजाति देश में हर जगह पाई जाती है, पर सत्तर के दशक में मुंबई में इसने विशेष रूप से ध्यान आकर्षित किया। कारण था, उन दिनों शहर में सोने की तस्करी से अकूत धन कमाने वाले अपराधी गिरोहों के बीच चलने वाले गैंगवार। हाजी मस्तान और करीम लाला जैसे नाम घर-घर पहचाने जाने लगे थे। बंबइया फिल्म उद्योग में अपराध से कमाया काला धन खूब लग रहा था। तस्करी की ही तरह वहां भवन निर्माण में भी अपराधियों का बड़े पैमाने पर प्रवेश शुरू हुआ। गैंग अपने विरोधियों का सफाया करते रहते, लेकिन उसमें खतरा था। एक तो दिनदहाड़े हत्याओं से जनमत आंदोलित होता और सरकारें भी इसे चुनौती की तरह लेतीं। दूसरे इसमें जोखिम भी बहुत थे। फिर उन्होंने विरोधियों का सफाया करने के लिए एक आसान रास्ता अपनाया। इन्हीं दिनों बढ़ते अपराधों से निपटने के लिए अपराधियों को मार गिराने के चलन को सामाजिक स्वीकृति और सम्मान मिलना शुरू हो गया। पुलिस में भी एनकाउंटर स्पेशलिस्ट की पौध तैयार होने लगी। अपराधियों ने विरोधियों को निपटाने के लिए इनका इस्तेमाल करना शुरू कर दिया। वे अपराधी विरोधियों की सटीक मुखबिरी करते और मुठभेड़ विशेषज्ञ उन्हें मार गिराते। कई बार तो गैंग ही पकड़कर किसी मुखालिफ को सौंप देता और पुलिस का काम कोई 'मुठभेड़' दिखाकर उन्हें मार देना भर बचता। अमूमन मारे गए अपराधियों पर इनाम घोषित हुआ रहता है, लिहाजा 'हत्यारों' को नगद इनाम, मेडल या तरक्कियों से नवाजा जाता। एक लचर न्याय-व्यवस्था में खुद को असहाय महसूस करने वाले जन-साधारण इन्हें मुक्तिदाता के रूप में पाते। एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सब-इंस्पेक्टरों या इंस्पेक्टरों पर या उनके तथाकथित कारनामों पर कामयाब फिल्में बनीं और वे नायकों की तरह सम्मानित किए। किसी को फुरसत नहीं थी यह देखने की कि कैसे कुछ ही वर्षों में इन नायकों के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति इकट्ठी हो जाती है। इनमें से कुछ तो फिल्म-निर्माता या बिल्डर भी बन गए हैं। वाजे की गिरफ्तारी के बाद अपराधियों, राजनीतिज्ञों और एनकाउंटर विशेषज्ञों का जो बदबूदार गठजोड़ सामने आया है, वह तो विशाल हिमखंड का ऊपर से दिखाई देने वाला छोटा सा टुकड़ा मात्र है।

एनकाउंटर स्पेशलिस्ट सिर्फ बाहरी लोगों का नायक नहीं होता, उसका सबसे बुरा असर तो उसके अपने विभागीय सहकर्मियों पर पड़ता है। वे उसे कानून-कायदे की धज्जियां उड़ाते और विभागीय अधिकारियों का कृपा- पात्र बनकर तरक्की की सीढ़ियां फलांघते देखते हैं, तो स्वाभाविक ही है कि कानूनों के प्रति उनके मन में भी अनास्था पैदा होती है और वे भी अपनी बारी से पहले तरक्की हासिल करने या दौलत हासिल करने के लिए हत्यारा बनने में गुरेज नहीं करते हैं। उत्तर प्रदेश में तो कई बार अभियान छेड़कर सांस्थानिक हत्याओं के पर्व मनाए गए हैं और ये आयोजन पुलिस की भाषा में 'गुड वर्क' की श्रेणी में आते हैं। इन्हें 'गुड वर्क' का लक्ष्य देते समय पुलिस का शीर्ष नेतृत्व भूल जाता है कि वह हत्यारों की जमात तैयार कर रहा है। मैंने अपनी लंबी सेवा में कई दुर्दांत अपराधियों के मनोविज्ञान को दिलचस्पी से पढ़ने का प्रयास किया और कुछ चरित्रों का अपने लेखन में इस्तेमाल भी किया है। उनका ठंडापन और किसी भी तरह की भावुकता से मुक्त होकर हत्या जैसी कार्रवाई आपकी रीढ़ में सिहरन पैदा कर सकती है। पुलिस की वर्दी के अंदर छिपे वाजे जैसे अपराधी उतने ही ठंडे हत्यारे हो सकते हैं। उत्साह, आदर्श और अनुशासन से लबरेज युवा पुलिस अधिकारी कैसे एक भ्रष्ट और अपराधी वरिष्ठ को अपना आदर्श नायक मानकर धीरे-धीरे पशु बनता जाता है, इसे देखना बड़ा त्रासद अनुभव है। वे जब पुलिस बल में सम्मिलित होते हैं, तभी उन्हें सिखा दिया जाता है कि हमारे कानून और व्यवस्था अपराधी को दंडित करने में आज असमर्थ हैं, अत- यह उनका पवित्र सामाजिक कर्तव्य है कि वे जज और जल्लाद का फर्ज भी निभाएं। डॉक्टर राम मनोहर लोहिया भारतीय समाज में व्याप्त क्रूर कायरता नाम की प्रवृत्ति को रेखांकित करते हैं। किसी ताकतवर के सामने नतमस्तक होने वाला समाज अपने चंगुल में फंसे कमजोर को प्रताड़ित कर आनंद लेता है। हमारा एनकाउंटर स्पेशलिस्ट भी जब किसी अपराधी को हिरासत में लेकर मार डालता है, तो संभवत- वह समाज की इसी प्रवृत्ति को सहलाता है। कुछ भी हो, इंस्पेक्टर वाजे की गिरफ्तारी हमें झकझोरकर जगाने के लिए काफी होनी चाहिए। दिक्कत यह है कि हम भरपूर घृणा से अपने बीच के हत्यारों को तो याद करते हैं, लेकिन कानून के इन रखवालों को न सिर्फ प्रशंसा भाव से निहारते हैं, वरन उन्हें अपना मुक्तिदाता भी मानने लगते हैं। शायद वाजे की गिरफ्तारी से कुछ फर्क आए।

क्षेत्रीय आतंक पर पहल

शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों द्वारा आतंकवाद के विरुद्ध साझा अभ्यास करने का निर्णय एक महत्वपूर्ण पहल है. इस समूह में भारत, चीन, रूस और पाकिस्तान के अलावा कजाखिस्तान, किर्गीस्तान, ताजिकिस्तान एवं उज्बेकिस्तान शामिल हैं. भारत और पाकिस्तान को 2017 में एससीओ की पूर्ण सदस्यता मिली थी. इन वर्षों में सदस्य देशों के बीच आपसी सहयोग, विशेषकर आतंकवाद पर, बढ़ाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास हुए हैं तथा एक अलग आतंकवाद विरोधी परिषद का गठन किया गया है. ये सभी देश किसी-न-किसी स्तर पर आतंक से प्रभावित हैं. इन देशों के साथ कई विशेषज्ञों का मानना है कि दक्षिण व मध्य एशिया में शांति और स्थिरता में यह समूह व्यापक योगदान दे सकता है. इसी आशा और अपेक्षा के कारण आतंकवाद पर चीन और पाकिस्तान के दोहरे मानदंडों तथा आपत्तिजनक रवैये के बावजूद भारत ने एससीओ के प्रति सकारात्मक रूख अपनाया है. पिछले दिनों हुई बैठक में आगामी सालों में आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद के प्रतिकार की कार्य योजना के प्रारूप को मंजूर किया जाना भी सराहनीय है. हालांकि एससीओ के अनेक सदस्य देश अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया में योगदान देने के साथ देश के नव-निर्माण एवं विकास के कार्यक्रमों में सहयोग दे रहे हैं, लेकिन सामूहिक रूप से एससीओ इस संदर्भ में अधिक कारगर हो सकता है. उल्लेखनीय है कि यह समूह 2009 से ही अफगानिस्तान में आतंक के अलावा अपराध और नशे के कारोबार पर लगाम लगाने के लिए प्रयासरत है. अब जब शांति समझौते पर सहमति के आसार हैं, इन देशों को अपनी सक्रियता को विस्तार देना चाहिए. सभी सदस्य देश अफगानिस्तान के पड़ोसी भी हैं. इस संबंध में यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि भारत और अफगानिस्तान में आतंक को बढ़ावा देने और आतंकी गिरोहों को संरक्षण देने में पाकिस्तान की बड़ी भूमिका रही है. भले ही पाकिस्तान आतंक के विरुद्ध जारी वैश्विक लड़ाई में शामिल होने का दावा करता हो, लेकिन सच यही है कि उसकी सरकार और सेना के शीर्ष स्तर से आतंकवाद, अलगाववाद एर चरमपंथ को शह और समर्थन मिलता है. भारत के विरोध तथा पाकिस्तान में अपने आर्थिक हितों की वजह से चीन ने हमेशा पाकिस्तान का साथ दिया है. संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद द्वारा मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी करार देने की कोशिशों में चीन लंबे समय तक अवरोध बना रहा था. आतंकी गिरोहों और सरगनाओं को धन और पनाह देने के लिए पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर लगातार फटकार मिलती रही है. ऐसे में चीन और पाकिस्तान की मंशा पर भारत व अन्य सदस्य देशों समेत दुनिया के लिए भरोसा कर पाना आसान नहीं है. फिलहाल पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव घटने के आसार हैं तथा चीन भी अपनी आक्रामकता पर लगाम लगाने के संकेत दे रहा है. चीन और पाकिस्तान ईमानदारी के साथ आतंकवाद पर काबू पाना चाहते हैं या फिर एससीओ भी नाउम्मीदी का शिकार होगा, यह आनेवाला समय बतायेगा।

रंगों का त्यौहार कहीं मस्ती धूमिल न कर दें

मार्च में रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जाता है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। बच्चों को खासकर इस त्योहार का इंतजार इसलिए होता है क्योंकि उन्हें पानी भरे गुब्बारे व पिचकारियों से खेलने का मौका मिल जाता है। लेकिन, होली के इस रंग को भंग न होने दें-यह लाल, पीले, गुलाबी रंग देखने में जितने खूबसूरत लगते हैं, शरीर, आंखों व त्वचा के लिए उतने ही नुकसानदायक भी हो सकते हैं। उस रंग में सीसा नाम का धातु मिला होता है जिसके बहुत से दुष्प्रभाव होते हैं। होली के बाद हास्पिटलों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है और आंखें जो कि बेहद नाजुक होती हैं, अगर ध्यान न दिया जाए तो थोड़ी भी लापरवाही बहुत ही घातक हो सकती है. कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डाक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आप की दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है। यदि हां, तो तुरंत डाक्टर से मिलें। होली पर होने आंखों में होने वाली समस्याएं-संक्रमण कंजक्टिवाइटिस, केमिकल बर्न, कोर्नियल एब्रेशन, आंखों में चोट, ब्लंट आई इंज्यूरी आदि। दरअसल, गुलाल में ऐसे छोटे-छोटे कण मौजूद होते हैं जो कि यदि आंखों में चले जाएं तो कोर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए, तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंख में अंदरूनी रक्तस्राव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है। इसलिए ऐसे हालातों में किसी बात का इंतजार न करें। आंखों को किसी प्रकार का खतरा न हो, उससे पहले आप किसी अच्छे नेत्र रोग विषेशज्ञ से अवश्य ही संपर्क करें। कुछ ध्यान देने याग्य बातें- अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए, तो अपनी आंखों को पहले बचाने का प्रयास करें। आंखों में चश्मा पहनें जिससे कि खतरनाक रंगों के रसायन से आप की आंखें बच सकें। बालों पर कोई बड़ी सी टोपी या हैट लगाएं जिससे आप के बाल केमिकल डाई के दुश्प्रभाव को झेल सकें। नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके। यदि आप कहीं बाहर जा रहे हैं, तो अपनी गाड़ी के दरवाजे अच्छी तरह से बंद करके रखें। जहां तक हो सके उस दिन कहीं भी ट्रैवलिंग करने का प्लान न ही बनाएं। बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें क्यों कि गुब्बारें कभी भी किसी को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें। ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें जो कि हाथों से आप के चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो

आप आंखों और होंठों को बंद कर लें कि रंग आप के मुंह या आंखों में न जा पाए। होली खेलने से पहले चेहरे पर कोल्ड क्रीम की एक मोटी परत लगाएं ताकि रंग लगने के बाद जब आप अपना चेहरा धोएंगे तो रंग आसानी से निकल जाएगा। यदि आंखों में कोई रंग चला जाए तो तुरंत पानी के छींटें मारें। यदि लक्षण कुछ भीषण प्रतीत हो रहा हो तो तुरंत डाक्टर को दिखाएं। होली के बाद अगर आप को आंखों में हल्की असहजता महसूस हो रही हो तो रुई के फाहे पर गुलाबजल छिड़कर आंखों पर थोड़ी देर के लिए रखें। इससे आप को थकी हुई आंखों से आराम मिलेगा। यदि आंखों में रंग चला जाए और आंखों में जलन, सूजन या दर्द हो तो साधारण साफ पानी से आंखें धोएं। थोड़ी देर देखें, अगर तब भी लक्षण ऐसे ही रहें तो डाक्टर के पास जाएं। यदि आंख में गुब्बारे या रंग में मिले हुए किसी कण से चोट लग गई हो, रेटिना को नुकसान पहुंचा हो, रक्तस्त्राव हो तो आंखों को पानी से धोने की गलती न करें। ऐसे में आंखें बंद करें और तुरंत हास्पिटल जाएं।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को महिला उपनिरीक्षक आरक्षियों का हुआ सम्मेलन

■ त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की तैयारियों को लेकर रिजर्व पुलिस लाइन में देवीपाटन परिक्षेत्र के सभी जनपदों की महिला उपनिरीक्षक आरक्षियों का हुआ सम्मेलन ■ 19 महिला आरक्षियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया

गोण्डा। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के दृष्टिगत मंगलवार को पुलिस महानिरीक्षक देवीपाटन रेंज डॉ0 राकेश सिंह व पुलिस अधीक्षक गोण्डा शैलेश कुमार पाण्डेय ने रिजर्व पुलिस लाइन सभागार में परिक्षेत्र के सभी जनपदों की महिला उपनिरीक्षक आरक्षियों के साथ सम्मेलन किया। जिसमें सर्वप्रथम सम्मेलन में उपस्थित महिला पुलिस कर्मियों से उनका परिचय प्राप्त कर उनकी समस्याओं के बारे में पूछा गया तथा उनके निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। ततपश्चात पुलिस महानिरीक्षक ने बीट पुलिसिंग के दौरान क्षेत्र में आ रही समस्याओं के बारे में जाना तथा उनमे सुधार एवं बेहतर बीट पुलिसिंग के लिए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिला पुलिस कर्मियों के साथ संवाद स्थापित कर शासन व पुलिस विभाग के विभिन्न आदेशो, सर्कुलरो के बारे में बताना व उनका बेहतर ढंग से अनुपालन कराना तथा महिला हेल्प डेस्क पर कार्य कर रही आरक्षियों को फरियादियों विशेषकर महिलाओं के साथ संवेदनशीलता दिखाते उनकी समस्याओं को सुनकर उनका त्वरित निस्तारण कराने के निर्देश दिए। महिला पुलिस कर्मियों से आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बारे में जानकारी ली गयी तथा उनसे उनकी बीट से संबंधित पूछताछ की गई तो कुछ महिला आरक्षियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों की सटीक जानकारी दी गई। पुलिस अधीक्षक ने निर्देश दिया कि समस्त महिला पुलिस कर्मी आगामी पंचायत चुनाव को गंभीरता से लें, सर्वप्रथम अपने बीट क्षेत्र के रजिस्टर नंबर-8 का अवलोकन करें तथा अपने बीट क्षेत्र में होने वाली हर गतिविधि जैसे अवैध शराब, हिस्ट्रीशीटर,दुराचारी की चेकिंग व अन्य आपराधिक गतिविधियों की निगरानी करे एवं लगातार बीट सूचना अंकित कराए। चुनाव के मद्देनजर संभावित प्रत्याशी व उनके कार्यकर्ताओं की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखे। बीट क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, संभ्रांत व्यक्तियों व महत्वपूर्ण लोगों के मोबाइल नंबर लेकर निरंतर संपर्क में रहें। तत्पश्चात पुलिस महानिरीक्षक व पुलिस अधीक्षक ने महिला सशक्तिकरण में विशेष योगदान व सराहनीय कार्य करने वाली म0आ0 मोना वर्मा थाना को0 नगर जनपद गोंडा, म0आ0 नीलम सिंह थाना उमरी बेगमगंज जनपद गोंडा, म0आ0 प्रिया पाण्डेय थाना मटेरा जनपद बहराइच, म0आ0 संजू चौहान थाना को0 गैसड़ी जनपद बलरामपुर, म0आ0 दिव्या सिंह थाना इकौना जनपद श्रावस्ती समेत 19 महिला आरक्षियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

साइबर सेल ने वापस दिलाई ठगी की रकम

गोण्डा। साइबर सेल ने एक और पीड़ित को ठगी की रकम वापस दिलाने में सफलता पाई है।पुलिस जनपद गोण्डा में साइबर अपराधों की रोकथाम हेतु पुलिस अधीक्षक गोण्डा शैलेश कुमार पाण्डेय एवं अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज द्वारा जनसामान्य को समय - समय पर जागरूक किया जाता रहा है। इसके साथ ही साथ साइबर अपराधों की सूचना मिलने पर तत्काल साइबर सेल को आवश्यक कार्यवाही करने हेतु भी निर्देशित किया जाता रहा है। जिसके अनुक्रम में आवेदक संजीव कुमार नायक ने पुलिस अधीक्षक गोण्डा को अपने शिकायती प्रार्थना पत्र में फ्रॉड कॉल पर बोनस प्राप्त करने के लिए कार्ड डिटेल और ओटीपी फ्रॉड को साझा कर दिया , और तुरंत उनके खाते मे 24240.00 रु कट गये।

तिवारीपुर थाना क्षेत्र की पुलिस व राजस्व की टीम ने महिला गैंगस्टर के मकान को किया जब्त

गोरखपुर/राजस्व सदर व तिवारीपुर पुलिस की टीम ने आज धुंधूनकोठा निवासी महिला गैंगस्टर रंभा देवी के मकान को उत्तर प्रदेश समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा के तहत जब्त। इस दौरान थाना प्रभारी तिवारीपुर द्वारा महिला गैंगस्टर के आपराधिक क्रियाकलापों से स्थानीय लोगों को मुनादी कराकर जानकारी दी गई। तिवारीपुर थाना प्रभारी अमित कुमार दुबे व तहसीलदार सदर संजीव दीक्षित ने आज धुंधूनकोठा निवासी महिला गैंगस्टर रंभा देवी के पक्के मकान को उत्तर प्रदेश समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम की धारा 14 (1) एक के तहत जब्त किया। संपत्ति की अनुमानित लागत 5 लाख बताई जा रही है।इस दौरान स्थानीय लोगों को महिला गैंगस्टर के अपराधों से रूबरू कराया गया। जिला मजिस्ट्रेट के. विजयेंद्र पांडियन ने गैंगस्टरों द्वारा अवैध तरीके से अर्जित संपत्ति को ज़ब्त करने का आदेश दिया था।इस आदेश के क्रम में आज तिवारीपुर थाना अध्यक्ष अमित कुमार दुबे,उपनिरीक्षक सैयद शमशीर,उपनिरीक्षक गुरुप्रसाद,कांस्टेबल सुभाष चंद्र, कांस्टेबल रंजीत साह, कांस्टेबल अनवरत वर्मा,कांस्टेबल राजेश पाठक,व शेरनी दस्ता की महिला आरक्षी उषा,अनुपम मिश्रा व राजस्व विभाग की टीम में सदर तहसीलदार संजीव दिक्षित,राजस्व निरीक्षक प्रदुमन सिंह,हल्का लेखपाल ऋषिकेश सिंह द्वारा महिला गैंगस्टर के धुंधूनकोठा आवास पर शाम 4 बजे जब्ती की नोटिस चस्पा कर के मकान को सील कर दिया गया।

शिक्षक का विदाई समारोह का हुआ आयोजन

गोरखपुर/ आज पूर्व माध्यमिक विद्यालय गिरधरगंज,नगर क्षेत्र के प्रधानाध्यापक सफीउद्दीन खान का विदाई समारोह आयोजित किया गया ।सफीउद्दीन खान लगातार 41 वर्ष बेसिक शिक्षा परिषद विभाग में अध्यापक रहे। उनकी नियुक्ति 1980 में हुई थी वह 31 मार्च 2021 को 41 साल लंबी सेवा देने के बाद रिटायर हो रहे हैं ।इस अवसर पर कम्पोजिट विद्यालय गिरधर गंज के प्रधानाध्यापिका शांति सिंह प्राथमिक विद्यालय दरगहिया के प्रधानाध्यापक शेख मुजीबुर रहमान, प्रधानाध्यापक फरेंद्रनाथ पांडे प्राथमिक विद्यालय झरना टोला, सहायक अध्यापक तारिक शफी, ममता, रीना राय, सुषमा तौफीक खान एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे ।सेवा निवृत हो रहे प्रधानाध्यापक सफीउद्दीन खान ने कहा कि शिक्षक कभी रिटायर नहीं होता वह जब तक जीवित रहता है तब तक समाज के लिए सकारात्मक कार्य करता रहता है।

कुपोषण की जानकारी लेने के लिए बैठना पड़ा फर्श पर

गोरखपुर/पिपराइच विधानसभा के विकास खंड भटहट कार्यालय के सभागार में खंड विकास परियोजना के अन्तर्गत पोषण पखवाड़ा अभियान के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खण्ड विकास अधिकारी भटहट के प्रतिनिधि सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) सुनील कुमार यादव रहे। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग के एआरपी जितेंद्र मिश्र, स्वास्थ्य विभाग के फर्मासिस्ट मुरली श्याम समेत क्षेत्र की सभी आगनवाड़ी और सहायिकाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान दुर्बव्स्था के कारण दर्जनों कार्यकत्रियों को फर्श पर बैठना पड़ा। कार्यकत्रियों का कहना है कि एक तरफ विभाग कुपोषण मुक्ति के लिए नाना प्रकार के योजनाओं का संचालन कर रहा है। वहीं कार्यक्रम में आधे से अधिक कार्यकत्रियों को बैठने के लिए कुर्सी की व्यवस्था थी वही कमलावती, इन्द्रवती सिंह, शान्ति देबी,दुर्गावती, पूनम शर्मा, प्रतिभा पासवान, गीता चौहान,नर्मदा देबी, जोतीम, पुष्पावती, संगीता मौर्या, शामसति, नीलम निषाद, शोभा रम्भा, जितनी, सरिता देबी सुभाषनी देबी, संजु सिंह, दीपा, चम्पा देबी कलावती अनिता, आदि दर्जनों कार्यकत्रियों को कुर्सी के आभाव में फर्श पर बैठना पड़ा। सभागार में जगह के आभाव में कुछ कार्यकत्रियों को दरवाजे के बाहर फर्श पर बैठे देखा गया। कार्यक्रम में 31मार्च तक सभी आगनवाड़ी कार्यकत्रियों तथा सहायिकाओं को अपने अपने केन्द्रों पर पोषण अभियान मनाने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान आगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा विभिन्न प्रकार के स्टाल लगाया गया। वहीं सहायक विकास अधिकारी द्वारा पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत पोषण हेतु विस्तार से जानकारी दिया। उन्होंने पोषण हेतु समस्त ग्रामवासियों और लाभार्थियों को जागरूक करने हेतु अहम जानकारी दिया।

भाजपा नेता पर जानलेवा हमला

गोरखपुर/ सहजनवा थाना क्षेत्र के घघसरा पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत घघसरा निवासी भाजपा नेता दयाशंकर सिंह को दबंगों ने सोमवार की सायं गांव में ही घेर कर पीट दिया ।शोर मचाने पर लोगों ने किसी तरह जांन बचाई। घायल अवस्था में उन्हें नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठर्रापार घघसरा लाया गया, जहां डाक्टर प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में देखते हुए जिला अस्पताल गोरखपुर रेफर कर दिया। भाजपा नेता दयाशंकर सिंह वर्तमान में भाजपा जिला कार्यकारिणी के सदस्य हैं । आज़ वह गांव में किसी परिचित से मिलने गए थे,घर वापस जाते समय अचानक आधा दर्जन युवकों ने घेर लिया और राड-डंडे से पीटने लगे।शोर मचाने पर किसी तरह लोगों ने जांन बचाई। घायल अवस्था में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठर्रापार घघसरा लाया गया जहां,डाक्टर प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल गोरखपुर रेफर कर लिया। चिकित्सालय में पहुंची घघसरा चौकी पुलिस से पुरानी रंजिश को लेकर मारने-पीटने का आरोप लगाया है।

बड़े तोंन वाले जवानों को कराया गया योग

योगाभ्यास से बड़े तोंन को किया जा सकता है कम-एमपी सिंह

गोरखपुर/पुलिस लाइन परेड ग्राउण्ड पर पुलिस अधिकारी /कर्मचारीगण व महिला रिक्रूट आरक्षियों को हेल्थ मिशन के अन्तर्गत बढे पेट/ वजन वाले कर्मचारीयों के स्वास्थ को देखते हुए योग प्रशिक्षक के द्वारा योग कराया गया। अपने महिला रिक्रूट और पुलिस कर्मचारियों को योग-प्राणायाम की क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। जिससे फुर्तीला जवान हो सके। योग शरीर मन और आत्मा को एक साथ लाने का काम करता है। योग से कर्मो में कुशलता आती है। पुलिस कर्मियों के लिए योग का बड़ा महत्व है। पुलिस को अक्सर मानसिक दबाव में काम करना पड़ता है। नित्य योग का अभ्यास करके पुलिस कर्मचारी तनाव से मुक्ति पाएंगे। योग से शरीर तो स्वस्थ रहता ही है। साथ ही मन एकाग्रता होता और व्यक्ति हर कार्य को अपनी क्षमता के अनुसार कर पाता है। पुलिस कर्मियों को क्राइम पर अंकुश लगाने के साथ-साथ अपनी तोंन और मोटापा पर भी नियंत्रण करना होगा। यह तभी संभव है जब आप योग करेंगे इनमें सिपाही,दारोगा से लेकर अफसर तक शामिल हैं। हाल ही में एडीजी जोन अखिल कुमार ने बडे तोंन वाले कर्मचारियों को अपने अपने तोंन को अंदर करने का निर्देश दिया था। उसके अनुपालन में पुलिस अधीक्षक अपराध डॉ महेंद्र पाल सिंह अपनी तरह अपने कर्मचारियों को भी स्वस्थ हुष्ट पुष्ट रहने के लिए पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में योगासन करा कर पेट के तोंन को कम करने का प्रयास किया जा रहा है। अगर आप फिट है तो आपका गोरखपुर फिट रहेगा गोरखपुर फिट रहेगा तो प्रदेश फिट रहेगा प्रदेश फिट रहेगा तो देश सशक्त और मजबूत होगा। इसलिए योगासन करते रहिए अपने अपने तोंन को अंदर करते हुए । क्राइम कंट्रोल करने में अपना अमूल्य योगदान दीजिए। डॉ सिंह ने जवानों को बताया कि ऐसे पुलिसवाले बिल्कुल अनफिट साबित होते हैं। तोंन निकलने के कारण वह किसी क्रिमिनल का भागकर पीछा करने में सक्षम नहीं होते। इसके बाद उन्हें फिट और फुर्तीला बनाने के लिए योगा से फुर्तीला बनाया जा रहा।इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक लाइन्स /अपराध डॉक्टर महेंद्र पाल सिंह प्रतिसार निरीक्षक उमेश कुमार दूबे एंव आरटीसी प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार मौर्या तथा अन्य पुलिस अधिकारी / कर्मचारीगण मौजुद रहे।

निजी करण व आर्थिक नीतियों के विरोध में बीमा अभिकर्ताओं ने किया धरना प्रदर्शन, दी चेतावनी

लाइफ इंश्योरेंस एजेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया शाखा मुंगरा बादशाहपुर ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन

(जौनपुर)। मुंगरा बादशाहपुर कस्बे में स्थित जीवन बीमा निगम शाखा के बाहर भगत सिंह के शहादत दिवस पर लाइफ इंश्योरेंस एजेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया शाखा मुंगरा बादशाहपुर के अध्यक्ष राजेश कुमार पांडे (मुन्ना) के नेतृत्व में अभिकर्ताओं ने संगठन के राष्ट्रीय आवाहन पर एक दिवसी धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र सरकार को चेतावनी दी। इस दौरान अध्यक्ष राजेश कुमार पांडेय (मुन्ना) ने कहा कि अभिकर्ताओं के भविष्य को बचाने के साथ-साथ सम्मानित अत्यंत मजबूत आर्थिक ताकत के रूप में जनता की अनवरत सेवा करने वाली संस्था भारतीय जीवन बीमा निगम को केंद्र सरकार अशक्त बनाने और विदेशी निवेशकों के साथ धन्नासेठों पूंजीपतियों के कठपुतली बनने पर तुली है। जो ऐसा हम लोग नहीं होने देंगे। महामंत्री राकेश मौर्या ने केंद्र सरकार के ऊपर आरोप लगाते हुए कहा कि हमारे व्याप्ति प्राप्त अर्थशास्त्रियों के सलाहकारों और चेतावनी को दरकिनार कर हमारे निगम के एक हिस्से को (टी पी ओ) के नाम पर पर बेचने का आत्मघाती कदम उठाया है। कोषाध्यक्ष छोटे लाल पाल ने कहा कि केंद्र सरकार देश तमाम सार्वजनिक क्षेत्र उपकरणों को बेचकर देश को आर्थिक संकट में डालने का कुकृत्य कार्य कर रही है। हम सभी अभिकर्ताओं के द्वारा सरकार के इस नीति का विरोध करते हुए एक दिवसीय सांकेतिक धरना का दिया गया है। अध्यक्षता पूर्व सभासद शमशेर अली (गुड्डू) तथा संचालन राजेश कुमार पांडेय (मुन्ना) ने किया। इस अवसर पर अध्यक्ष राजेश पांडेय, महामंत्री राकेश मौर्या, उपाध्यक्ष शिव शंकर मिश्रा, सुरेंद्र प्रसाद त्रिपाठी ,कृष्ण कुमार शुक्ला, शमशेर अली (गुड्डू),राजमणि मिश्रा, अशोक पांडेय, रामचंद्र यादव, कपूर शर्मा, डॉ प्रेमचंद आजाद, हरि शंकर त्रिपाठी, सुरेंद्र प्रजापति, विजय कुमार त्रिपाठी, व सभी अभिकर्ता बंधु मौजूद रहे।

योगी ने किया इमामबाड़ा में जल रही रौशन अली शाह की धूनी और दरगाह मुबारक खां शहीद का दर्शन

गोरखपुर/महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले से आए नाथ संप्रदाय के योगी सूरज नाथ जी महाराज ने अपने गोरखपुर प्रवास के दौरान प्रसिद्ध इमामबाड़ा में 300 वर्षों से ज्यादा समय से जल रही बाबा रोशन अली शाह की धूनी का दर्शन किया। नगर भ्रमण के क्रम में योगी सूरज नाथ जी गोरखपुर की प्रसिद्ध दरगाह हजरत मुबारक खां शहीद पहुंचे जहां उन्होंने सूफी संत मुबारक खां शहीद की दरगाह पर चादर पेश किया। यहीं पर उन्होंने रचनाकार प्रेमचन्द की कालजई रचना ईदगाह में वर्णित ईदगाह का भी दर्शन किया। इस मौके पर योगी सूरज नाथ जी महाराज ने कहा कि नाथ संप्रदाय को किसी खास धर्म या मजहब से जोड़कर नहीं बल्कि मानवता और मानव कल्याण से जोड़कर देखा जाना चाहिए या किसी धर्म का कोई ताल्लुक नहीं। उन्होंने बताया कि गोरख सबदी में मोहम्मद साहब के बारे में भी कहा गया है। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों का सार मानवता प्रेम और भाईचारा है।

एडीजी जोन ने एक दिवसीय टेक्नोलॉजी से थाना प्रबंधन प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

गूगल शीट के जरिए सुगमता से अपने कार्यों को करेंगे निस्तारण

गोरखपुर/टेक्नोलॉजी का प्रयोग कर थाना प्रबंधन के कार्यों में दक्षता बढ़ाने के लिए मंगलवार को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सर्किट हाउस के एनेक्सी भवन में एडीजी जोन अखिल कुमार प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। इसमें बस्ती के इंस्पेक्टर दिनेश कुमार सरोज पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किये कुछ दिन पहले बस्ती के इंस्पेक्टर दिनेश कुमार सरोज एडीजी के यहां पहुंच कर। एडीजी को बताया था कि वह गूगल शीट के जरिए थाने के हर कार्य व डेटा को अपने मोबाइल पर व थाने के कंप्यूटर पर रखते हैं। जिससे वह कहीं भी रहे जानकारी हो सकती है। साथ ही कोई भी तहरीर थाने पर आती तो उसमें क्या कार्रवाई हुई यह सब भी उसी शीट में रहता था। साथ ही अन्य सारे कार्य भी वह टेक्नालाजी के सहयोग से करते है। जिसके बाद एडीजी ने सराहना करते हुए इसे जोन के सभी थानों में लागू करने को कहा था। उसी क्रम में मंगलवार को जोन के सभी थानों के एक एक पुलिसकर्मी को प्रशिक्षित किया गया। उन्हें इंस्पेक्टर दिनेश कुमार सरोज द्वारा प्रशिक्षित किया वह पुलिसकर्मी गूगल शीट के बारे में थाने के थानेदार समेत अन्य पुलिसकर्मी को प्रशिक्षित करेंगे।

एडीजी जोन ने कहा कि आज का युग विज्ञान का युग है जीवन के हर क्षेत्र में विज्ञान और उस पर आधारित तकनीक का बोलबाला है तकनीक के इस प्रयोग ने हमारे जीवन को काफी सुविधाजनक बना दिया है चाहे घर का काम हो, यातायात के साधन हो या औद्योगिक उत्पादन हो, सब कुछ आधुनिक तकनीक के सहारे पहले से बेहतर और तेज गति से हो रहा है जीवन को सुखी और सुरक्षित बनाने के लिए एक से बढ़कर एक आविष्कार हो रहे हैं इसका मानव समाज को बहुत लाभ हो रहा है।

इस बात में कोई शक नहीं है कि तकनीक हमारे जीवन का आश्यक अंग बन गई है और इससे हमें बहुत लाभ भी हो रहा है लोगों के पास अब एक दूसरे के लिए समय ही नहीं रहा। लोग या तो काम में व्यस्त रहते हैं या आधुनिक उपकरणों में लगे रहते हैं मोबाइल-कंप्यूटर-इंटरनेट इनसे लोगों को फुर्सत ही नहीं मिलती तो आप भी इसका प्रयोग कर गूगल शीट के सहारे अपने रोजमर्रा की सभी थानों के कार्यों को गूगल शीट पर डाल दें जिसे आप जहां भी रहे वहां देख कर अपने सहूलियत के अनुसार कार्य अपना करते रहें आप इसका भरपूर लाभ उठाएं।

टीकाकरण के लिए आगे आये धर्मगुरु बोले - पूरी तरह सुरक्षित है वैक्सीन

जालौन। जिले में कोरोना टीकाकरण के लिए धर्मगुरु भी आगे आए हैं। उन्होंने आज बड़ी संख्या मं जिला अस्पताल में बने बूथ पर टीकाकरण कराकर समाज को संदेश दिया कि टीकाकरण कराने से न सिर्फ खुद का कोरोना से बचाव होगा, बल्कि दूसरों को भी कोरोना से बचाव कर सकते हैं। जिले में राजकीय मेडिकल कालेज, जिला अस्पताल और जेल समेत 15 जगह टीकाकरण किया गया। जिला अस्पताल में आज धर्मगुरुओं के लिए विशेष टीकाकरण किया गया। इस दौरान टीकाकरण के लिए बड़ी संख्या में धर्मगुरु पहुंचे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा ऊषा सिंह ने बताया कि लोगों में टीकाकरण को लेकर जागरुकता आ रही है। धर्मगुरु भी टीकाकरण को बढ़ावा देने के लिए आगे आए हैं। टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है। अभी तक कहीं से कोई प्रतिकूल सूचना नहीं आई है। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा सत्यप्रकाश का कहना है कि टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरुक करने के लिए सभी वर्गों को इसमें जोड़ने का काम किया जा रहा है। आज धर्मगुरुओं के माध्यम से संदेश दिया कि टीकाकरण बिना किसी भेदभाव के कराएं । यह सबके लिए जरूरी है। इससे प्रतिरोधी क्षमता बढ़ती है। इसके साथ ही कोरोना से बचाव के उपाय भी अपनाने चाहिए।

सुबह मस्जिद से कराया एलान, कराया टीकाकरण

शहर इमाम हाफिज मंजूर अहमद का कहना है कि वह टीकाकरण को लेकर स्वास्थ्य विभाग का सहयोग कर रहे हैं। उन्होंने मस्जिद से सुबह एलान भी कराया था। उन्होंने लोगों को समझाया है कि टीकाकरण को लेकर किसी तरह की भ्रांति न पालें। टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है। वह संदेश देना चाहते हैं कि समाज की सुरक्षा के लिए सभी टीकाकरण कराएं।

सेहत की सुरक्षा के लिए टीकाकरण जरूरी

सदर इमाम हाफिज जमील अहमद का कहना है कि सेहत की सुरक्षा के लिए सभी को टीकाकरण जरूर कराना। यह पूरी तरह सुरक्षित और प्रभावी है। हालांकि कोरोना से बचाव के लिए दूसरे उपाय जैसे मास्क पहनना, सोशल डिस्टेसिंग का पालन करना भी जरूरी है।

स्काउट की चारित्रिक विशेषताओं की दी जानकारी

उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड प्रादेशिक मुख्यालय लखनऊ के निर्देश पर चल रहे बेसिक स्काउट मास्टर गाइड कैप्टन प्रशिक्षण शिविर कबीर चौरा में प्रतिभागियों को,लीडर ऑफ द कोर्स स्काउट कुलदीप सिंह ने चारित्रिक विशेषताओं,स्काउटिंग क्या है आदि के बारे में विस्तार से बताया। स्काउट कमिश्नर डॉ.आर.के.सिंह,जिला सचिव रवि प्रकाश श्रीवास्तव,जिला गाइड कमिश्नर मीरा भारती,स्काउटर प्रतिनिधि योगेंद्र सिंह,सहायक कमिश्नर स्काउट अभिषेक कुमार सिंह मौजूद रहे। इसरत सिद्दीकी,प्रादेशिक सहायक संगठन कमिश्नर सुरेश प्रसाद तिवारी,मनोज कुमार अनिल,रेनू अग्रहरि,मीरा भारती,दुर्गावती,मनोज कुमार अनील,राज रतनसेन सिंह,अमरेश बहादुर सिंह,ओम प्रकाश उपाध्याय, सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर सुरेश प्रसाद तिवारी,जिला संगठन कमिश्नर रमेशचन्द्र यादव,सुनील यादव,दुर्गावती,अमृता सिंह,अलका,सिम्मी साहू,सीमा,ममता उषा वर्मा,मानसी,पूनम,भीम यादव,कहकशां बानो,पूनम,उषा वर्मा,आशीष वर्मा,उमेश चंद्र यादव,अभिषेक कुमार सिंह,विकास कुमार,भारत भूषण लाल,भीष्म कुमार, चंद्रभान,अम्बिका राजभर,अमित कुमार, देवेंद्र कुमार,विजय बहादुर,राजाराम, मनीराम मौर्य,वेद प्रकाश,मिथिलेश कुमार यादव आदि की सहभागिता रही।

अवैध कब्जे के चलते होली न जल पाने की स्थित में पुलिस से लगाई गुहार

■ गौरतलब कर निरीक्षक द्वारा गांव में कराई होलिका दहन भूमि चिन्हित

कदौरा/जालौन। जिस खलयान में प्रति वर्ष होलिका दहन होता रहा वहां अवैध कब्जा हो जाने के कारण इस वर्ष होलिका दहन से वंचित ग्रामीणों द्वारा पुलिस से मदद की गुहार लगाई गई वही पुलिस द्वारा तत्काल एसडीएम को अवगत कराकर गांव में भूमि चिन्हित कराई जा सकी।

ज्ञातव्य हो कि कदौरा क्षेत्र ग्राम खुटमिली में होलिका जलाने का स्थान खलयान में अवैध कब्जे के चलते जगह ही नही बची जहां होली जलाई जा सके जिससे ग्रामीण कामेंद्र सिंह रवि सिंह आदि के द्वारा थाना पुलिस से समस्या निस्तारण की मांग की गयी।

जिससे आगामी होलिका दहन हो सके।वही निरीक्षक जीतेन्द्र सिंह द्वारा तत्काल उपजिलाधिकारी कौशल कुमार को अवगत कराया गया जिनके निर्देशन में क्षेत्र पहुंचे लेखपाल आदर्श कुमार द्वारा गांव पहुंचकर खलयान के समीप कुछ भूमि चिन्हित कर होलिका दहन के लिए कहा गया वही ग्रामीणों ने कहा कि धीरे धीरे प्रति वर्ष पंचायत भूमि पर अवैध कब्जा होता जा रहा जिससे समस्याओ का सामना समाज को करना पड़ रहा तो मौके पर लेखपाल द्वारा कहा गया कि शीघ्र ही अवैध कब्जा करने वालो के खिलाप कार्यवाही की जाएगी।वही आस पास बने घरो के बीच कुछ जगह लेखपाल द्वारा चयनित कराए जाने पर ग्रामीणों द्वारा उसी स्थान में होलिका दहन करने की बात कही गयी।

डीएफआई को विशेष उधारी सुविधा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार समर्थित विकास वित्त संस्थान (डीएफआई) को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की वित्त सुविधा तक सीधी पहुंच उपलब्ध होगी। इससे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के ऋणदाताओं को सस्ती दरों पर कोष जुटाने में मदद मिलेगी। अवसंरचना एवं विकास के वित्तपोषण के लिए राष्ट्रीय बैंक विधेयक, 2021 के अनुसार, डीएफआई रिजर्व बैंक से पैसे उधार लेने में सक्षम होगा और मांगे जाने पर या शेयर, कोष या प्रतिभूतियों की जमानत पर ली गई राशि तय अवधि पूरी होने, जो कि पैसे लेने की तिथि से 90 दिन से यादा नहीं होगी, पर भुगतान करना होगा। वित्त मंत्री द्वारा सदन में आज पेश किए गए विधेयक में कहा गया है कि डीएफआई बिल के विनिमय या इकरारनामे के एवज में आरबीआई से पैसे उधार ले सकता है। केयर रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि आरबीआई डीएफआई को विशेष वित्त की सुविधा उपलब्ध कराएगा, जो अनूठा होगा। उन्होंने कहा कि इससे डीएफआई को अल्पावधि से मध्यम अवधि तक नकद प्रवाह का बंदोबस्त करने में मदद मिलेगी। डीएफआई के लिए दीर्घावधि उधारी लागत बाजार से जुड़ी होगी, जो आम तौर पर ऊंची होती है। सबनवीस ने कहा कि आरबीआई से उधार मिलने से संभव है कि लागत कम आए, जिससे डीएफआई को कुल वित्तपोषण लागत को कम करने में मदद मिलेगी। इंडिया रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री देवेंद्र पंत ने कहा, यह सुविधा रायों को सरकारी प्रतिभूतियों के एवज में दी जाने वाली विशेष उधारी सुविधा की तरह हो सकती है। हालांकि यह सुविधा अल्पावधि में तरलता का प्रबंधन करने के लिए बेहतर हो सकती है। पंत ने कहा कि बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को दीर्घावधि के लिए पूंजी की जरूरत होती है, जो डीएफआई की संपत्तियां होंगी और डीएफआई की देनदारी या उधारी भी दीर्घावधि की होगी। इसके साथ ही अगर बुनियादी ढांचे के ऋणदाता को जरूरत होगी तो डीएफआई द्वारा जारी बॉन्ड, डिबेंचर और ऋण पर केंद्र सरकार गारंटी भी दे सकती है। डीएफआई को अनुदान या नकद योगदान के जरिये भी सरकार से मदद मिल सकती है, जो बिक्री योग्य सरकारी प्रतिभूतियों के तौर पर हो सकती है।

सरकार डीएफआई के गठन के पहले साल नकद या प्रतिभूतियों के तौर पर 5,000 करोड़ रुपये निवेश करेगी। इन्फ्रास्ट्रक्चर एडवाइजरी प्रैक्टिस में पार्टनर मनीष अग्रवाल ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि सरकार ने बॉन्ड और अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसियों से ऋण पर गारंटी और विदेश में उधारी पर हेजिंग से सुरक्षा का वादा कर डीएफआई को ताकत देने की कोशिश की है। बकौल अग्रवाल, मगर अभी यह देखना बाकी है कि वास्तव में डीएफआई को इन उपायों से कितनी मदद मिलेगी। विधेयक में कहा गया है कि बॉन्ड एवं डिबेंचर सहित डीएफआई द्वारा जारी प्रतिभूतियां स्वीकृत निवेश के तौर पर पात्र होंगी। विधेयक के अनुसार ये भारतीय वित्तीय नियामकों द्वारा तय मानदंडों के अनुरूप होंगी। डीएफएआई भारत में और भारत से बाहर ढांचागत परियोजनाओं में निवेश या उन्हें कर्ज देने में सक्षम होंगी। डीएफआई परियोजना की संरचना तैयार करने के अलावा पूरी हो चुकीं परियोजनाओं की निगरानी और उनका मौद्रिकरण भी स्वयं या अपनी सहायक इकाइयों द्वारा कर पाएंगी। खेतान ऐंड कंपनी में पार्टनर, सिद्धार्थ श्रीवास्तव ने कहा, डीएफआई की स्थापना के बाद दीर्घ अवधि की ढांचागत परियाजनाओं में पेश आने वाली कमी निश्चित तौर पर पूरी हो जाएगी। इसके अलावा ढांचागत क्षेत्र में रकम का आवंटन भी बढ़ जाएगा।

सेबी के अधिकारियों तक जांच की आंच

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने सारदा चिट फंड घोटाला मामले में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों के आवास और कार्यालयों में आज तलाशी की ताकि उनकी इस घोटाले में कथित भूमिका का पता लगाया जा सके। इसके साथ ही राजनीतिक रूप से संवेदनशील सारदा चिट फंड घोटाला पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के बीच एकाएक सुर्खियों में आ गया है। सीबीआई कई साल से इस मामले की जांच कर रही है। सूत्रों ने कहा कि सीबीआई की टीम ने मुंबई में सेबी के दफ्तर और नियामक के दो मुख्य महाप्रबंधकों - जयंत जश और जीवन सोनपरोटे के आवासों की तलाशी ली। ये दोनों अधिकारी इस समय सेबी की जांच विभाग और कार्पोरेट वित्त विभाग में कार्यरत हैं। इन दोनों के साथ उप महाप्रबंधक प्रसेनजित दे के यहां भी तलाशी अभियान चलाया गया। ये सभी अधिकारी 2009 से 2013 के बीच कोलकाता में तैनात थे। सारदा घोटाला उसी दौरान सुर्खियों में आया था। सीबीआई के एक सूत्र ने बताया कि आज छह परिसरों की तलाशी ली गई और कार्रवाई आगे भी जारी रह सकती है। उन्होंने बताया कि सीबीआई की जांच की जद में कुछ और अधिकारी आ सकते हैं ताकि सारदा रियल्टी द्वारा शुरू की गई योजनाओं से संबंधित विवरण जुटाया जा सके। सूत्र ने कहा, जल्द ही कुछ और अधिकारियों से पूछताछ की जाएगी और जरूरत पड़ी तो कंपनी पंजीयक से भी पूछताछ की जाएगी। सीबीआई मानती है कि सेबी इस घोटाले का भंडाफोड़ करने के लिए ज्यादा सक्रियता दिखा सकता था। सीबीआई ने 2014 से 2019 के बीच कई आरोप पत्र दाखिल किए हैं। 2019 में दायर एक आरोप पत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम की पत्नी नलिनी चिदंबरम का भी नाम था। उन पर कथित पोंजी घोटाला मामले में 1.4 करोड़ रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाया गया था। सीबीआई ने कहा था कि नलिनी चिदंबरम ने धोखाधड़ी और पैसों के हेरफेर के मकसद से सारदा समूह के प्रवर्तक सुदीप्त सेन के साथ मिलकर षड्यंत्र रचा था। सेबी को अपनी जांच में पता चला कि सारदा रियल्टी की योजनाएं गैर कानूनी हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए शुभ संकेत, आईएमएफ ने आगामी वित्त वर्ष में सबसे तेज 11.5 फीसद की ग्रोथ रहने का लगाया अनुमान

नई दिल्ली, बिजनेस डेस्क। नई दिल्ली, बिजनेस डेस्क। भारतीय अर्थव्यवस्था के आगामी वित्त वर्ष में काफी तेजी से रिकवर करने की उम्मीद है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (द्वस्न्न) ने अपनी ताजा वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में यह दर्शाया है। आईएमएफ ने आगामी वित्त वर्ष के लिए भारत की अर्थव्यवस्था के सबसे तेज 11.5 फीसद की रफ्तार से ग्रोथ करने की उम्मीद जताई है। इस तरह भारत साल 2021 में सबसे अधिक तेजी से ग्रोथ करने वाला देश बन सकता है। इससे पहले आईएमएफ ने अपनी अक्टूबर में जारी रिपोर्ट में आगामी वित्त वर्ष के लिए 8.8 फीसद की ग्रोथ रेट का अनुमान व्यक्त किया था। वहीं, आईएमएफ ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी ग्रोथ (-)8 फीसद रहने का अनुमान व्यक्त किया है। इससे पहले आईएमएफ ने मौजूदा वित्त वर्ष के लिए जीडीपी ग्रोथ रेट (-) 10.3 फीसद रहने का अनुमान व्यक्त किया था। साथ ही आईएमएफ ने अप्रैल 2022 में शुरू होने वाले वित्त वर्ष के लिए भारत की जीडीपी में 6.8 फीसद की ग्रोथ रहने की उम्मीद जताई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने साल 2021 के लिए वैश्विक ग्रोथ 5.5 फीसद रहने का अनुमान लगाया है। साथ ही आईएमएफ ने कहा कि यह वायरस और वैक्सीन के आउटकम पर अधिक निर्भर करेगा।

इस महीने 10वीं बार बढ़े पेट्रोल-डीजल के रेट-राजस्थान में पेट्रोल की कीमत 100 के पार, भोपाल में 94.18 रु. और मुंबई में 92.86 रु. लीटर हुए दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में फिर बढ़ोतरी हुई। यह इस महीने में दसवीं बार और लगातार दूसरा दिन है जब तेल की कीमतें बढ़ी हैं। राजस्थान के गंगानगर में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए प्रति लीटर के पार निकल गई है। गंगानगर में सामान्य पेट्रोल 98.40 रुपए प्रति लीटर और प्रीमियम पेट्रोल 101.80 रुपए प्रति लीटर हो गया है। वहीं डीजल 90 रुपए के पार पहुंच गया है। इसके अलावा मुंबई में पेट्रोल 92.86 और दिल्ली में 86.30 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। जनवरी में अब तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 10 बार बढ़ोतरी हो चुकी है। आज डीजल और पेट्रोल दोनों में ही 25-25 पैसे की बढ़ोतरी देखने को मिली है। इसके पहले सोमवार को भी डीजल-पेट्रोल की कीमतें बढ़ी थीं। जनवरी में अब तक पेट्रोल 2.59 और डीजल 2.61 रु./लीटर महंगा हुआ इस महीने दिल्ली में पेट्रोल की कीमत में 2.59 रुपए और डीजल में 2.61 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। 7 दिसंबर को दिल्ली में पेट्रोल 83.71 रुपए और डीजल 73.87 रुपए/लीटर पर बिक रहा था। इसके बाद 29 दिनों तक इनके दाम नहीं बढ़े। 6 जनवरी को इस महीने पहली बार इनके दाम बढ़ाए गए थे। टैक्स के बाद पेट्रोल हो जाता है 3 गुना महंगा इसको समझने के लिए पहले ये समझना जरूरी है कि कच्चे तेल से पेट्रोल-डीजल पंप तक कैसे पहुंचता है। पहले कच्चा तेल बाहर से आता है। वो रिफायनरी में जाता है, जहां से पेट्रोल और डीजल निकाला जाता है। इसके बाद ये तेल कंपनियों के पास जाता है। तेल कंपनियां अपना मुनाफा बनाती हैं और पेट्रोल पंप तक पहुंचाती हैं। पेट्रोल पंप पर आने के बाद पेट्रोल पंप का मालिक अपना कमीशन जोड़ता है। ये कमीशन तेल कंपनियां ही तय करती हैं। उसके बाद केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से जो टैक्स तय होता है, वो जोड़ा जाता है। उसके बाद सारा कमीशन, टैक्स जोड़ने के बाद पेट्रोल और डीजल हम तक आता है। 6 मई को सरकार ने बढ़ाई थी एक्साइज ड्यूटी कोरोनाकाल में जारी लॉकडाउन के बीच सरकार ने 6 मई 2020 को पेट्रोल पर 10 रुपए प्रति लीटर और डीजल पर 13 रुपए प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी बढ़ाई थी।

हालांकि तक सरकार ने कहा था कि इस बढ़ोत्तरी का असर आम आदमी की जेब पर नहीं पड़ेगा। ऑयल मार्केटिंग कंपनियां इंडियन आयल, पेट्रोल-डीजल पर बढ़ी हुई ड्यूटी को वहन करेंगी। हालांकि 6 मई से अब तक राजधानी दिल्ली में पेट्रोल 71.26 से 86.30 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है। वहीं डीजल जो 6 मई को 69.39 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा अब 76.48 रुपए पर आ गया है।

पेंट में ग्रासिम का कितना दिखेगा दम

नई दिल्ली। भाषा। घरेलू पेंट उद्योग में एक नई कंपनी दस्तक देने जा रही है। ग्रासिम इंडस्ट्रीज ने अधिक मार्जिन वाले पेंट कारोबार में उतरने की घोषणा की है। कंपनी ने अगले तीन वर्षों के दौरान 5,000 करोड़ रुपये के निवेश से इस कारोबार में प्रवेश करने की योजना बनाई है। इसके तहत कंपनी मुख्य तौर पर देश के भीतर विभिन्न जगहों पर नई क्षमता जोडने के लिए निवेश करेगी। कंपनी ने बाजार हिस्सेदारी के लिहाज से देश की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बनने की योजना बनाई है। साथ ही कंपनी ने इसमें 20 फीसदी आंतरिक रिटर्न दर (आईआरआर) को लक्ष्य किया है। इसे हासिल करने के लिए कंपनी अपनी सहायक इकाई अल्ट्राटेक सीमेंट के वितरण नेटवर्क का फायदा उठाने की मंशा जताई है। अल्ट्राटेक का बिड़ला व्हाइट ब्रांड पुट्टी के लिए काफी लोकप्रिय है और उसके व्हाइट सीमेंट की पहुंच 35,000 से 40,000 पेंट वितरकों तक है। हालांकि निवेशकों ने कंपनी के इस कदम की सराहना की है और इसलिए कारोबार के दौरान उसके शेयर में 6.4 फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई। लेकिन विश्लेषकों का मानना है कि आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी का इस बाजार में मौजूदा खिलाडियों पर सीमित प्रभाव दिख सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस क्षेत्र में हाल में दस्तक देने वाली अन्य कंपनियों के मुकाबले ग्रासिम कहीं बेहतर स्थिति में है लेकिन वितरण नेटवर्क के मोर्चे पर उसे चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। इसके अलावा इस कारोबार में पहले से ही स्थापित मौजूदा कंपनियों की मजबूत ब्रांड इक्विटी भी उसके लिए एक प्रमुख चुनौती होगी। विश्लेषकों ने बताया कि व्हाइट सीमेंट अथवा पुट्टी के मुकाबले पेंट कारोबार की स्थिति बिल्कुल अलग है क्योंकि इसके लिए खुदरा विक्रेताओं के साथ मजबूत संबंध के अलावा एक दमदार समग्र वितरण नेटवर्क की आवश्यकता होती है। उनके वितरण नेटवर्क का सफलतापूर्वक विस्तार काफी हद तक संभावित डीलर पार्टनर के साथ ब्रांड की पहचान और नई जगहों पर उनकी टिंटिंग मशीन की स्वीकार्यता पर निर्भर करता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस क्षेत्र में उतरने वाली नई कंपनियों के लिए यही सबसे बड़ी बाधा रही है। एडलवाइस सिक्योरिटीज के अनुसंधान विश्लेषक अबनीश रॉय ने कहा, ऐतिहासिक तौर पर हमने जेएसडब्ल्यू, जोतुन, निप्पॉन आदि नई कंपनियों का एशियन पेंट्स और बर्जर पेंट्स जैसी मौजूदा पेंट कंपनियों पर कोई खास प्रभाव नहीं देखा है। पेंट कारोबार में उतरने की एक बड़ी बाधा वितरण नेटवर्क है क्योंकि पेंट की अधिकतर दुकान काफी छोटी होती है जहां आमतौर पर दो कंपनियों की टिंटिंग मशीन रखने की जगह होती है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा नई कंपनी को लगातार विज्ञापन पर काफी खर्च करने की आवश्यकता होती है। अगली चुनौती ग्राहकों के लिए ब्रांड के प्रति निष्ठा होती है। कोटक इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज के विश्लेषकों ने कहा, पेंटिंग छह से सात वर्षों में एक बार कराने वाली गतिविधि है और इसलिए ब्रांड के प्रति ग्राहकों की निष्ठा काफी महत्त्वपूर्ण होती है। स्मार्ट विज्ञापन के साथ शीर्ष चार कंपनियों (65 फीसदी बाजार हिस्सेदारी) के पास दमदार ब्रांड हैं और ग्राहकों का उनसे काफी भावनात्मक लगाव है। इसलिए नए ब्रांड की ओर उनका झुकाव कम होता है। आज तीन शीर्ष पेंट शेयरों में 3 से 6 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

टैक्सपेयर्स को हैं वित्त मंत्री से उम्मीदें, क्या बजट में बढ़ेगी टैक्स छूट

नई दिल्ली, एजेंसी। 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। करदाताओं की इस बजट से कई अपेक्षाएं हैं। कोरोना वायरस महामारी के कारण लोगों के रोजगार और आय पर प्रतिकूल प्रभावों के चलते यह बजट और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। वर्तमान में धारा 80 सीसीई के अनुसार धारा 80 प्रतिशत, 80सीसीसी और 80 सीसीडी(1) के तहत उपलब्ध कटौती प्रति वर्ष 1.50 लाख पर कैप की जाती है।1.50 लाख की यह सीमा 2014 में संशोधित करके 1 लाख की गई थी। 1 लाख की की सीमा 2003 में तय की गई थी। 1 लाख की मूल सीमा को निर्धारित किए हुए लगभग 18 साल हो गए हैं। 2014 में इसे केवल 50प्रतिशत बढ़ाया गया है जो सालाना 3प्रतिशत से भी कम है। यह वार्षिक औसत वृद्धि समान अवधि के दौरान औसत मुद्रास्फीति के बराबर भी नहीं है। इसे सीधे न्यूनतम 2.50 लाख किया जाना चाहिए। एनपीएस निकासी पर कर प्रावधान वर्तमान कर कानून खाते के बंद होने के समय केवल 60प्रतिशत तक निकासी की छूट देता है। शेष राशि के लिए, एनपीएस ग्राहक को वार्षिकी खरीदने की आवश्यकता होती है। यहां ध्यान देने योग्य यह है कि वार्षिकी प्राप्त होने के साथ ही कर योग्य हो जाती है। सीधे शब्दों में कहें, तो प्रभावी रूप से केवल 60त्न कॉर्पस ही कर-मुक्त है और शेष राशि भविष्य में कर योग्य हो जाती है। एनपीएस निकासी के विपरीत, कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) में संचित शेष राशि, समय या सेवानिवृत्ति पर पूरी तरह से कर मुक्त होती है। अगर सरकार ईपीएफ को एनपीएस जैसे संचित कोष के 40त्न की सीमा तक कर से मुक्त करने के लिए कर योग्य नहीं बना सकती है, जिसे सरकार ने कुछ साल पहले प्रयास किया था, तो सरकार को कम से कम दूसरे तरीके से काम करके समता लाने का प्रयास करना चाहिए। सरकार को 40त्न कॉर्पस के साथ वार्षिकी खरीदने की आवश्यकता को खत्म कर देना चाहिए और ग्राहक के साथ निर्णय छोड़ना चाहिए कि वह पैसा कहां निवेश करना चाहता है। स्व-कब्जे वाली संपत्ति के लिए ब्याज कटौती का युक्तिकरणकर कानून आपको किसी भी घर की संपत्ति की खरीद, निर्माण, मरम्मत के नवीकरण के लिए उधार ली गई रकम पर ब्याज का लाभ देते हैं। हालाँकि इस तरह के दावे की राशि कुल दो स्व-कब्जे वाले घरों के कुल मामले में राशि 2 लाख तक सीमित है। बाद के 8 वर्षों में हेड हाउस की संपत्ति के तहत नुकसान के खिलाफ संतुलन बनाए रखने के लिए संतुलन को बिना नुकसान के आगे ले जाने की अनुमति दी गई है।

चीन को लगा एक और बड़ा झटका, एप्पल कंपनी अब भारत और वियतनाम में बढ़ाएगी आईफोन-आईपैड का प्रोडक्शन

नई दिल्ली। चीन को एप्पल की तरफ से एक बड़ा झटका लगा है। खबर आ रही है कि ऐप्पल ने आईफोन, आईपैड, मैक और अन्य प्रोडक्ट्स को चीन से बाहर बढ़ाने का फैसला किया है। सूत्रों की मानें तो आईपैड का प्रोडक्शन इसी साल के मध्य में वियतनाम में शुरू होगा। माना जा रहा है कि ये पहली बार होगा जब दुनिया का सबसे बड़ा टैबलेट मेकर एक बड़ी संख्या में डिवाइस चीन के बाहर बनाएगा। कैलिफोर्निया की ये कंपनी भारत में भी आईफोन का प्रोडक्शन बढ़ाने पर विचार कर रही है, जो कि इसके डिवाइस के लिए दूसरा सबसे बड़ा प्रोडक्शन बेस है। सूत्रों के अनुसार कंपनी आईफोन 12 सीरीज के फोन का प्रोडक्शन इसी तिमाही में शुरू करने की सोच रही है, जो कंपनी का पहला 5जी स्मार्टफोन होगा। क्या होती है ऑफ बजट बॉरोइंग, जानिए सरकार क्यों और कैसे उठाती है बजट के बाहर से पैसे! सूत्रों से मिली खबर के मुताबिक एप्पल अपने स्मार्ट स्पीकर्स, ईयरफोन और कम्प्यूटर बनाने की क्षमता को भी दक्षिण पूर्व एशिया के कई हिस्सों में बढ़ा रहा है। देखा जाए तो ये सब एप्पल की डायवर्सिफिकेशन स्ट्रेटेजी का ही हिस्सा है। वैसे जो बाइडन के अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद उम्मीद की जा रही है कि अमेरिका और चीन के बीच संबंध सुधर सकते हैं, लेकिन एप्पल फिर भी अपने तमाम डिवाइस के लिए चीन पर से निर्भरता को कम करते हुए अन्य देशों का भी रुख कर रहा है।

एलऐंडटी का शुद्ध लाभ बढ़ा

नई दिल्ली । इंजीनियरिंग एवं निर्माण क्षेत्र की विशाल कंपनी लार्सन ऐंड टुब्रो (एलऐंडटी) को दिसंबर 2020 में समाप्त तिमाही में तीन प्रतिशत वृद्धि के साथ 2,648.33 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। एक साल पहले कंपनी को इसी अवधि में कर और संयुक्त सहायक उद्यमों के नफे नुकसान में भागीदारी तथा असामान्य प्रावधानों के बाद 2,560.32 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में यह जानकारी दी। कंपनी ने कहा है कि लाभ की इस बढ़ोतरी में उसके सूचना प्रौद्योगिकी और सूचना प्रौद्योगिकी सेवा कारोबार के लाभ व सम्पत्ति के विनिवेश में 209 करोड़ रुपये के लाभ का योगदान भी है। कंपनी ने आलोच्य तिमाही में इलेक्ट्रिकल ऐंड आटोमेशन कारोबार को स्नाइडर इलेक्ट्रिक एसई को बेचा। इसी तरह उसने ब्रिटेन स्थित कंपनी मरीन कंट्रोल ऐंड ऑटोमेशन सिस्टम्स को राल्स रायर पावर सिस्टम एजी को बेचा। कंपनी की एकीकृत कुल आय 36,661.08 करोड़ रुपये रही। एक साल पहले इसी दौरान कुल एकीकृत आय 36,711.69 करोड़ रुपये थी। इसी दौरान कुल खर्च एक साल पूर्व के 33,488.46 करोड़ रुपये से घट कर 32,980.58 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने कहा है कि दिसंबर 2020 तिमाही में समूह को मिले ऑर्डर में सालाना आधार पर 76 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 73,233 करोड़ रुपये रहा। इसमें 14 प्रतिशत योगदान विदेशी ऑर्डर का रहा। चालू वित्त वर्ष के पाहले नौ महीनों में कंपनी के पास संचयी रूप से कुल 124,846 करोड़ रुपये के ऑर्डर आए। महिंद्रा हॉलिडेज को घाटा महिंद्रा समूह की कंपनी महिंद्रा हॉलिडेज ऐंड रिसॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) ने सोमवार को दिसंबर 2020 को समाप्त तीसरी तिमाही में 67.34 लाख रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा होने की सूचना दी है।

रफ्तार बढ़ाने की तैयारी में एयरएशिया

नई दिल्ली। एजेंसी। टाटा समूह द्वारा नियंत्रित एयरएशिया ने भविष्य की कारोबारी योजना आगे बढ़ाने के लिए पहल तेज कर दी है। इसी के तहत कंपनी ने 10 नए विमान पट्टे पर लेने की योजना तैयार की है। इसके अलावा एयरएशिया इंडिया अगले वर्ष जून तक 3 एयरबस नियो ए320 विमान भी अपने बेड़े में शामिल करने की योजना बना रही है। टाटा संस का मानना है कि सस्ती विमान सेवाओं पर दांव बढ़ाने का अब समय आ गया है और यही बात कंपनी की कारोबारी योजनाओं में भी दिख रही है। एयरएशिया के पास इस समय 33 विमान हैं जिनमें 5 मलेशियाई साझेदार एयरएशिया बरहाद के विमान हैं जिन्हें जल्द लौटा दिए जाएंगे। इस पूरे मामले की जानकारी रखने वलो एक सूत्र ने कहा कि कारोबार को बढ़ाने के लिए पुख्ता योजनाएं तैयार कर ली गई हैं। ए320 विमान के लिए पट्टेदारों से बातचीत चल रही है। विमानों के पट्टे पर देने की दर इस समय सस्ती हो गई है और इसलिए बेड़े में नए विमानों को शामिल करने का यह सही समय है। नए ए320 विमानों से विमान कंपनी को ईंधन लागत एवं रखरखाव खर्च कम करने में मदद मिलेगी। हाल में टाटा समूह ने एयरएशिया इंडिया का नियंत्रण अपने हाथों में ले लिया है और अपनी हिस्सेदारी 51 फीसदी से बढ़ाकर 84 फीसदी की है। शेष बची 16.33 फीसदी हिस्सेदारी के लिए भी समूह के पास बोली लगाने का अधिकार है। सूत्रों का कहना है कि अगर टाटा समूह अपने इस अधिकार का इस्तेमाल करेगी जिसके बाद 2021 के मध्य तक एयरएशिया समूह के निकनले का रास्ता साफ हो जाएगा। एयरएशिया इंडिया के अलावा टाटा समूह की विस्तारा में भी 71 फीसदी हिस्सेदारी है और अब वह सरकारी विमानन कंपनी एयर इंडिया मे भी 100 फीसदी हिस्सेदारी खरीदना चाह रही है। सूत्रों का कहना है कि टाटा संस अपना विमानन कारोबार सरल और मजबूत बनाना चाहती है। वहीं, कंपनी प्रबंधन का मानना है कि किफायती विमानन सेवा कारोबार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने का समय अब आ गया है। एक सूत्र ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि सस्ती विमानन सेवा भारत ही नहीं बल्कि पूरे एशियाई बाजार में भी अपना दबदबा बढ़ाने जा रही हैं। ऐसे में विमानन कारोबार की योजनाएं तैयार करते समय टाटा समूह इस बात की अनेदखी नहीं कर सकता है।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

RNI No : UPHIN/2019/79194

Mob: 9453694257
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।